प्रथमः पाठः

**1**

# प्रथमा विभक्ति (कर्त्ता कारक)
## (Nominative case)

**हिंदी अनुवाद**

**प्रभातं** ............................................................................................................................ **नृत्यन्ति।**

**अनुवाद**—सवेरा होता है। सूरज उगता है। उजाला फैलता है। अँधेरा दूर हो जाता है। गंगा बह रही है। किसान खेत जोत रहा है। फसल पकती है। पक्षी चहचहाता है। दो बालक पढ़ते हैं। दो आदमी देखते हैं। दो तोते बोलते हैं। दो मोर नाचते हैं। दो पेड़ फलते हैं अर्थात् उन पर फल लगे हुए हैं। दो लड़कियाँ लिखती हैं। दो चींटियाँ जा रही हैं। दो बकरियाँ चर रही हैं। दो राही जा रहे हैं।

बहुत-सी लड़कियाँ लिखती हैं। पक्षी चहचहाते हैं। फूल खिलते हैं। राही चलते हैं। लताएँ शोभित हो रही हैं। भौंरे गुंजन कर रहे हैं। मोर नाच रहे हैं।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**— (छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** शुकौ वदत:
**(ख)** पुष्पाणि विकसन्ति।
**(ग)** कृषक: कर्षति।
**(घ)** सूर्य: उदयति।
**(ङ)** बालिके लिखत:
**(च)** लता: विलसन्ति।

**2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** कृषक: कर्षति।
**(ख)** प्रकाश: प्रसरति।
**(ग)** बालका: पठन्ति।
**(घ)** भ्रमर: गुञ्जन्ति।
**(ङ)** पिपीलिके गच्छत:।
**(च)** खग: कूजति।
**(छ)** पुष्पाणि विकसन्ति।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** बहुत-सी लड़कियाँ लिखती हैं।
**(ख)** बहुत-से पक्षी चहचहाते हैं।
**(ग)** बहुत-से बालक पढ़ते हैं।
**(घ)** बहुत-से फूल खिलते हैं।
**(ङ)** बहुत-से राही चलते हैं।
**(च)** बहुत-सी लताएँ सुशोभित होती हैं।
**(छ)** भौंरे गुनगुनाते हैं।

**4. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए-**

प्रसरति, फलानि, पिपीलिका, विलसन्ति, विकसन्ति, भ्रमरा:।

**उत्तर-** सूर्य: उदेति, प्रकाश: **प्रसरति**।
उद्यानात् मालाकार: **फलानि** आनयति।
हस्तस्योपरि **पिपीलिका** चलति।
उपवने मनोहरा: लता: **विलसन्ति**।
सरोवरे पुष्पाणि **विकसन्ति**।
पुष्पेषु **भ्रमरा:** गुञ्जन्ति।

**5. पाठ के अनुसार शुद्ध रूप लिखिए-**

प्रभातम्, दूरम्, भवति, अन्धकार:, गच्छति, फलत:, नृत्यत:, वृक्षौ, मयूरौ।

**उत्तर– प्रभातं भवति।** **अन्धकारः दूरं गच्छति।**

**मयूरौ नृत्यः।** **वृक्षौ फलतः।**

**6. निम्नलिखित शब्दों में वचन तथा विभक्ति लिखिए–**

**उत्तर–** खगाः **वचन → बहुवचन; विभक्ति → प्रथमा**

बालकाः **वचन → बहुवचन; विभक्ति → प्रथमा**

लताः **वचन → बहुवचन; विभक्ति → प्रथमा**

पथिकाः **वचन → बहुवचन; विभक्ति → प्रथमा**

वृक्षौ **वचन → द्विवचन; विभक्ति → प्रथमा**

बालिके **वचन → द्विवचन; विभक्ति → प्रथमा**

अजे **वचन → द्विवचन; विभक्ति → प्रथमा**

**7. निम्नलिखित क्रियाओं की धातु लिखिए–**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **(क)** | पश्यतः | **दृश्** | **(छ)** | कूजन्ति | **कूज्** |
| **(ख)** | फलतः | **फल्** | **(ज)** | चरतः | **चर्** |
| **(ग)** | गच्छतः | **गम्** | **(झ)** | वहति | **वह्** |
| **(घ)** | विकसन्ति | **विकस्** | **(ञ)** | फलति | **फल्** |
| **(ङ)** | चलन्ति | **चल्** | **(ट)** | वदतः | **वद्** |
| **(च)** | नृत्यन्ति | **नृत्** | **(ठ)** | गुञ्जन्ति | **गुञ्ज्** |

**द्वितीयः पाठः**

**2**

# द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)

## (Accusative Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**छात्रः ..... पृच्छतः।**

**अनुवाद**—छात्र पुस्तक पढ़ता है। लड़की प्रश्न पूछती है। तोता शब्द बोलता है किसान खेत को जाता है। सेवक घर को जाता है। दो छात्र किताब पढ़ते हैं। दो बालक प्रश्न पूछते हैं।

**शुकौ ..... आचरन्ति।**

**अनुवाद**—दो तोते शब्द बोलते हैं। दो किसान बीजों को बोते हैं। दो बकरियाँ घास चरती हैं। बहुत-से छात्र पुस्तकें पढ़ते हैं। बहुत-से बूढ़े चावल पकाते हैं। घोड़े रथ को ले जाते हैं। बहुत-से तोते शब्द बोलते हैं। बहुत-से लोग धर्म का आचरण करते हैं।

**बालकः ..... पृच्छन्ति।**

**अनुवाद**—बालक पत्र लिखता है। व्यक्ति धर्म का आचरण करता है। बकरी घास चरती है। दो बुढ़ियाँ चावल पकाती हैं। दो सेवक बाजार को जाते हैं। बहुत-सी लड़कियाँ पत्र लिखती हैं। बहुत-से किसान बीजों को बोते हैं। बहुत-से लड़के प्रश्नों को पूछते हैं।

**वृद्धा ..... गच्छन्ति।**

**अनुवाद**—बुढ़िया चावल पकाती है। दो घोड़े रथ को ले जाते हैं। दो लड़कियाँ पत्र लिखती हैं। घोड़ा रथ को ले जाता है। दो आदमी धर्म का आचरण करते हैं। बहुत-से पुरुष चित्रों को देखते हैं। बहुत-से सेवक घर को जाते हैं।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- ( क )** नर: धर्मम् आचरति। **( ख )** सेवकौ आपणं गच्छत:।
**( ग )** पुरुषा: चित्राणि पश्यन्ति। **( घ )** वृद्धे ओदनं पचत:।
**( ङ )** बालक: पत्रं लिखति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** छात्रा: **पुस्तकानि** पठन्ति। **( ख )** नरा: **धर्मम्** आचरन्ति।
**( ग )** बालिके पत्रं **लिखत:**। **( घ )** सेवकौ आपणं **गच्छत:**।
**( ङ )** **वृद्धे** ओदनं पचत:।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** छात्र पुस्तक पढ़ता है। **( ख )** बालक पत्र लिखता है।
**( ग )** किसान खेत को जाता है। **( घ )** बहुत-से लोग धर्म का आचरण करते हैं।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** सेवक: आपणं गच्छति। **( ख )** बालिका: पत्राणि लिखन्ति।
**( ग )** नरा: चित्राणि पश्यन्ति। **( घ )** अश्वा: रथं नयन्ति।

**5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** छात्र: विद्यालयं गच्छति। **( ख )** कृषका: क्षेत्राणि गच्छन्ति।
**( ग )** पथिका: भोजनं खादन्ति। **( घ )** नरा: धर्मम् आचरन्ति।

**6. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए-**

**उत्तर-** वपत:, पत्रम्, आचरत:, वदन्ति, नयत:।
कृषकौ क्षेत्रे बीजानि **वपत:**। बालिका **पत्रं** लिखति।
नरौ धर्मम् **आचरत:**। बालका: सत्यं **वदन्ति**।
अश्वौ रथं **नयत:**।

तृतीयः पाठः

**3**

# तृतीया विभक्ति (करण कारक)
## (Instrumental Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**वयं कन्दुकेन ..... चलाम:।**

**अनुवाद**—हम गेंद से खेलते हैं। बालक तेजी से दौड़ते हैं। छात्र अध्यापक के साथ खेल के मैदान को (में) जाते हैं। हम आँखों से देखते हैं और हाथों से शिक्षक को प्रणाम करते हैं। श्याम पैरों से चलता है। हमीद गाड़ी से विद्यालय को जाता है। लड़के-लड़कियाँ एक साथ घूमते हैं। छात्र परिश्रम से पढ़ते हैं। पढ़ने से ज्ञान होता है। ज्ञान से धन प्राप्त होता है। हम सुख से रहते हैं। स्नेह से बोलते हैं और सहयोग से चलते हैं।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**— (छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर— ( क )** बालका: वेगेन धावन्ति। **( ख )** हामिद: यानेन विद्यालयं गच्छति।

(ग) ज्ञानेन धनं भवति। (घ) छात्रा: अध्यापकेन सह क्रीडास्थलं गच्छन्ति।
(ङ) बालका: बालिकाभि: सह भ्रमन्ति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर—** (क) वयं कन्दुकेन **क्रीडाम:**। (ख) छात्रा: **अध्यापकेन** सह क्रीडास्थलं गच्छन्ति।
(ग) मोहन: **हस्ताभ्यां** क्रीडति। (घ) पठनेन **ज्ञानं** भवति।
(ङ) धनेन **सुखं** भवति।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर—** (क) वयं कन्दुकेन क्रीडाम:। (ख) हमीद: यानेन विद्यालयं गच्छति।
(ग) स्वतन्त्रतया वयं प्रसन्ना: स्म:। (घ) श्याम: पादाभ्यां चलति।
(ङ) बालका: वेगेन धावन्ति।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर—** (क) बहुत-से छात्र मेहनत से पढ़ते हैं। (ख) पढ़ने से ज्ञान होता है।
(ग) ज्ञान से धन प्राप्त होता है। (घ) धन से सुख होता है।

**5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-**

**उत्तर—** (क) वयं सुखेन निवसाम:। (ख) त्वं कुत्र निवससि?
(ग) पठनेन ज्ञानं भवति। (घ) छात्रा: परिश्रमेण पठन्ति।

**6. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए-**

**उत्तर—** स्नेहेन - ते बालका: परस्परं **स्नेहेन** निवसन्ति। सहयोगेन - भारतवासिन: **सहयोगेन** जीवनं यापयन्ति।
सुखेन - मोहन: **सुखेन** वसति। धावन्ति - मृगा: वेगेन **धावन्ति**।
बालिका - **बालिका** कमलेन पत्रं लिखति।

**7. एक शब्द में उत्तर दीजिए-**

**उत्तर—** (क) बालका: (घ) हस्ताभ्याम्।।
(ख) श्याम:। (ङ) सुखम्।
(ग) धनम्। (च) ज्ञानम्।

**8. निम्नलिखित में सन्धि कीजिए-**

(क) क्रीडा + स्थलम् = **क्रीडास्थलम्** (ङ) नेत्र + आभ्याम् = **नेत्राभ्याम**
(ख) भ्रम् + अन्ति = **भ्रमन्ति** (च) परिश्रम् + एण = **परिश्रमेण**
(ग) विद्या + आलयम् = **विद्यालयम्** (छ) सहयोग् + एन = **सहयोगेन**
(घ) हस्त + आभ्याम् = **हस्ताभ्याम्** (ज) कन्दुक + एन = **कन्दुकेन**

चतुर्थः पाठः

**4**

# चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक)
## (Dative Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**मेघा: ..... रक्षाय भवति।**

**अनुवाद**—बादल बरसने के लिए गरजते हैं, खेतों के लिए पानी देते हैं। खेत जल से भर जाते हैं। मोर खुशी के लिए नाचते हैं। किसान खुश होते हैं, जोतने के लिए खेत को जाते हैं, फसल के लिए खेतों को जोतते हैं, बैलों के लिए घास ले जाते हैं। बैल हरी घास खाते हैं और आनंद महसूस करते हैं।

बालक पढ़ने के लिए विद्यालय को जाते हैं, वहाँ शिक्षकों को प्रणाम करते हैं। शिक्षक बालकों को विद्या (ज्ञान) देते हैं। छात्र पढ़ते हैं। ताकत रक्षा करने के लिए होती हैं, धन दान के लिए होता है। विद्या ज्ञान के लिए होती है। ज्ञान सुख के लिए होता है। जीवन परोपकार के लिए होता है। शस्त्र (हथियार) रक्षा के लिए होता है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**– (छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–**

**उत्तर–** **(क)** धनं दानाय भवति। **(ख)** ज्ञानं सुखाय भवति।
**(ग)** जीवनं परोपकाराय भवति। **(घ)** बलं रक्षणाय भवति।
**(ङ)** विद्या ज्ञानाय भवति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

**उत्तर–** **(क)** शिक्षका: **बालकेभ्य:** विद्यां यच्छन्ति। **(ख)** छात्रा: **पठनाय** अत्र आगच्छन्ति।
**(ग)** वृक्षा: **परोपकाराय** फलन्ति। **(घ)** ज्ञानं **सुखाय** भवति।
**(ङ)** कृषका: **कर्षणाय** क्षेत्रं गच्छन्ति।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** **(क)** ताकत रक्षा करने के लिए होती है। **(ख)** धन दान के लिए होता है।
**(ग)** विद्या ज्ञान के लिए होती है। **(घ)** ज्ञान सुख के लिए होता है।
**(ङ)** जीवन परोपकार के लिए होता है।

**4. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** **(क)** बालका: पठनाय विद्यालयं गच्छन्ति। **(ख)** छात्रा: क्रीडनाय क्रीडास्थलं गच्छन्ति।
**(ग)** सज्जना: परोपकाराय जीवन्ति। **(घ)** वृक्षा: परोपकाराय फलन्ति।
**(ङ)** मनुष्या: ज्ञानाय पठन्ति।

**5. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए–**

**उत्तर–** **(क)** रक्षणाय—बलं निर्कलानां **रक्षणाय** भवति। **(ख)** दानाय—धनं निर्धनेभ्य: **दानाय** भवति।
**(ग)** ज्ञानाय—विद्या **ज्ञानाय** भवति। **(घ)** सुखाय—ज्ञानं **सुखाय** भवति।
**(ङ)** परोपकाराय—नद्य: **परोपकाराय** वहन्ति।

**6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए–**

**उत्तर–** **(क)** मेघा: वर्षणाय गर्जन्ति। **(ख)** बालक: पठनाय विद्यालयं गच्छन्ति।
**(ग)** शिक्षका: बालेभ्य: विद्यां यच्छन्ति। **(घ)** विद्या ज्ञाना भवति।
**(ङ)** जीवनं परोपकाराय भवति।

**7. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए–**

**(क)** बालकेभ्य: = **बालक:** + **एभ्य:**
**(ख)** ज्ञानाय = **ज्ञान** + **आय**
**(ग)** अनुभवन्ति = **अनु** + **भवन्ति**
**(घ)** वृषभाभ्याम् = **वृषभ:** + **आभ्याम्**
**(ङ)** नृत्यन्ति = **नृत्य्** + **अन्ति**
**(च)** शिक्षकान् = **शिक्षक** + **आन**

पञ्चमः पाठः

**5**

# पञ्चमी विभक्ति (अपादान कारक)
## (Ablative Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**उपदेशः ( अच्छी बातें )**

**बालकाः ..... रक्षति।**

**अनुवाद**—बालक और बालिकाएँ घर से विद्यालय जाते हैं। वहाँ शिक्षकों से विद्या पढ़ते हैं। शिक्षक छात्रों को उपदेश देते हैं कि सूर्य से गर्मी होती है। गर्मी से जल बरसता है। जल से अन्न वृद्धि को प्राप्त होता है। पुण्य से धर्म होता है। सत्य से परे (अलग) कोई दूसरा धर्म नहीं होता है। धर्म से सुख होता है। ईश्वर लोगों को दु:ख से बचाता है।

**वृक्षेभ्यः ..... कारणम्॥**

**अनुवाद**—पेड़ों से फल गिरते हैं। बेलों से फूल गिरते हैं। वृक्ष जीवों को फल देते हैं। बेलें फूल देती हैं। सज्जन दूसरों के लिए जीते हैं। हम राष्ट्र के लिए जीते हैं। सैनिक दूसरों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को छोड़ते हैं। वे ही इतिहास में प्रसिद्ध होते हैं।

**श्लोक**— लोभ से क्रोध उत्पन्न होता है, लोभ से काम (इच्छाएँ) उत्पन्न होता है।
लोभ से मोह बढ़ता है और नाश होता है, लोभ पाप का कारण है।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** वृक्षेभ्यः **फलानि** पतन्ति। **( ख )** **लताभ्यः** कुसुमानि पतन्ति।
**( ग )** **सूर्यात्** आतपः भवति। **( घ )** **आतपात्** जलं वर्षति।

**2. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** सूर्य से गर्मी होती है। **( ख )** गर्मी से पानी बरसता है।
**( ग )** जल से अनाजादि होते हैं। **( घ )** अन्न से जीव (प्राणी) जीते हैं।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** सूर्यात् आतपः भवति। **( ख )** आतपात् वर्षा भवति।
**( ग )** वर्षायाः अन्नं भवति। **( घ )** वृक्षात् फलानि पतन्ति।

**4. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए-**

**( क )** अन्नानि-वर्षाजलेन **अन्नानि** उद्भवन्ति।

**( ख )** त्यजन्ति-देशभक्ताः स्वदेशस्य रक्षार्थं स्वप्राणान् **त्यजन्ति**।

**( ग )** उपदिशति-शिक्षकः छात्रेभ्यः **उपदिशति**।

**( घ )** शिक्षकेभ्यः-बालकाः **शिक्षकेभ्यः** विद्यां प्राप्नुवन्ति।

षष्ठः पाठः

**6**

# षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक)
## (Genitive Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**अशोकस्य गृहम् ( अशोक का घर )**

**अत्र ..... च अस्ति।**

**अनुवाद**—यहाँ अशोक का घर है। मोहन का घर अशोक के घर से दूर है, किंतु सीता का घर अधिक दूर नहीं है। अशोक के पिता परिवार के साथ यहाँ रहते हैं। रामलाल का बड़ा पुत्र अशोक है। रामलाल की एक बेटी लता है। लता अशोक के साथ रोज पाठशाला जाती है। अशोक का विद्यालय और घर साफ और सजा हुआ है। घर के आगे एक आम का पेड़ सुशोभित है। अशोक आम के पेड़ की छाया में रोज बैठता है, पढ़ता है, बातचीत करता है और खुशी महसूस करता है। जब अशोक के मित्र आते हैं तब वे आम के पेड़ की छाया में बैठते हैं। पास ही एक बहुत ही सुंदर बगिया है। अशोक की बगिया के पौधे और लताएँ हरी-भरी हैं। बेलें फूल देती हैं, पेड़ फल देते हैं। अशोक का घर बहुत सुंदर और मनोहर है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** अत्र अशोकस्य गृहम् अस्ति। **( ख )** मोहनस्य गृहम् अशोकस्य गृहात् दूरम् अस्ति।
**( ग )** रामलालस्य एका सुता लता। **( घ )** अशोकस्य गृहम् आनन्दाय अस्ति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** रामलाल: कुटुम्बेन **सह** अत्र निवसति। **( ख )** लता **अशोकेन** सह नित्यं विद्यालयं गच्छति।
**( ग )** गृहस्य अग्रे एक: **आम्रवृक्ष:** विलसति। **( घ )** अशोक: आम्रस्य छायायाम् **उपविशति**।
**( ङ )** अशोकस्य गृहं **सुरम्यं** मनोहरं च अस्ति।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—अशोक आम के पेड़ की छाया में रोज बैठता है, पढ़ता है, बात करता है और आनंद महसूस करता है। जब अशोक के मित्र आते हैं तब वे आम के पेड़ की छाया में बैठते हैं।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **( क )** अत्र अशोकस्य गृहम् अस्ति। **( ख )** रामस्य पुस्तकं रक्तम् अस्ति।
**( ग )** श्यामस्य पुस्तकं शोभनम् अस्ति। **( घ )** बालकानां गृहं स्वच्छम् अस्ति।
**( ङ )** आम्रस्य फलं मधुरं भवति।

**5. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए-**

**उत्तर-** **( क )** उपविशन्ति—सर्वे श्रान्ता: पाथिका: आम्रवृक्षाणां छायायाम् **उपविशन्ति**।
**( ख )** आनन्दम्—अशोक: ज्ञानवर्धकां कथां पठति **आनन्दं** च अनुभवति।
**( ग )** वाटिकाया:—सा सुरम्या नदी **वाटिकाया:** समीपे प्रवहति।
**( घ )** यच्छन्ति—शिक्षका: छात्रेभ्य: ज्ञानं **यच्छन्ति**।
**( ङ )** मनोहरम्—अस्य उपवनस्य वातावरणम् अति **मनोहरम्** अस्ति।

**6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-**

**( क )** आतप: **गर्मी** **( ख )** अन्नानि **अनाजादि**
**( ग )** दु:खेभ्य: **दु:खों से** **( घ )** मनोहरम् **मन को हरने वाला**
**( ङ )** स्वप्राणान् **अपने प्राणों को** **( च )** त्यजन्ति **छोड़ते हैं**

**7. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-**

**( क )** अन्नानि = **अन्न** + **आनि**
**( ख )** राष्ट्राय = **राष्ट्र** + **आय**

(ग) रक्षार्थम् = **रक्षा** + **अर्थम्**
(घ) कुसुमानि = **कुसुम** + **आनि**
(ङ) पतन्ति = **पत्** + **अन्ति**
(च) बालिकाश्च = **बालिकाः** + **च**

सप्तमः पाठः

**7**

# सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक)
## (Locative Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**उपवनम् ( बाग अथवा बगीचा )**

**उपवनम् ..... अनुभवन्ति।**

**अनुवाद**—बाग एक रमणीय स्थान होता है। शहरों और गाँवों में बहुत-से उपवन होते हैं। उपवन में बहुत सारे पेड़ और बेलें होती हैं। पेड़ों पर फल सुशोभित होते हैं, बेलों पर फूल खिलते हैं। यहाँ ठंडी हवा धीरे-धीरे बहती है। लोग बाग में घूमने के लिए आते हैं। बालक भी आते हैं। बाग में घूमने से शरीर पुष्ट होता है। लोग घूमने से प्रसन्नता का अनुभव करते हैं।

**मम उपवने ..... भवति।**

**अनुवाद**—मेरे बाग में एक कुआँ और एक बगिया है। माली कुएँ से जल लाता है और पौधों को सींचता है। पौधे और बेलें सींचने से हरी-भरी होती हैं। पौधे अथवा पेड़ों की शाखाओं पर पक्षी बैठते हैं। सुबह के समय पक्षियों का कूजन (चहचहाहट) मनोहर होता है। रात्रि में बाग में अँधेरा फैलता है। पक्षी घोंसलों में रहते हैं।

उपवन में हमेशा सुंदरता सुशोभित होती है। सुधीन्द्र आओ, बगिया को (में) जाते हैं। वहाँ एक चन्द्रपुष्प का पेड़ है। और यह सुगंधों का राजा है। गंधराज का रंग सफेद होता है। और इसकी खुशबू भी प्यारी होती है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** उपवनम् एकं रमणीयं स्थलं भवति। **(ख)** उपवने मन्द गत्या शीतलः वायुः वहति।
**(ग)** वृक्षेषु फलानि विलसन्ति। **(घ)** उपवने भ्रमणेन शरीरं पुष्टं भवति।
**(ङ)** मम उपवने एकः कूपः अस्ति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** जनाः भ्रमणेन **प्रसन्नताम्** अनुभवन्ति। **(ख)** **वृक्षेषु** फलानि भवन्ति।
**(ग)** **नगरेषु ग्रामेषु च बहूनि** उपवनानि भवन्ति। **(घ)** **अत्र** शीतलः वायुः वहति।
**(ङ)** **उपवने सदा** रमणीयता भवति। **(च)** **तत्र एकः चन्द्रपुष्पायाः** पादपः अस्ति।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** भ्रमणेन शरीरं पुष्टं भवति। **(ख)** उपवनम् एकं रमणीयं स्थलं भवति।
**(ग)** उपवने वृक्षाः लताश्च भवन्ति। **(घ)** शाखासु खगाः कूजन्ति।
**(ङ)** खगाः रात्रौ नीडेषु वसन्ति। **(च)** गन्धराजपुष्पस्य वर्णः श्वेतः भवति।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** **(क)** पेड़ों की शाखाओं पर पक्षी बैठते हैं। **(ख)** पक्षी घोंसलों में रहते हैं।

(ग) गन्धराज का रंग सफेद होता है। (घ) उपवन में घूमने से शरीर पुष्ट होता है।
(ङ) पेड़ों पर फल सुशोभित होते हैं।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर-** (क) उपवनम्—मम ग्रामे एकं रमणीयम् **उपवनम्** अस्ति।
(ख) वृक्षेषु—उपवने **वृक्षेषु** विविधा: खगा: निवसन्ति।
(ग) वाटिका—तस्या: नद्या: समीपे एका शोभना **वाटिका** अस्ति।
(घ) खगा:—प्रात:काले मधुर स्वरेण **खगा:** कूजन्ति।
(ङ) रमणीयता—आम उपवनस्य **रमणीयता** सर्वेषां जनानां मनांसि हरति।

**6. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-**

| | |
|---|---|
| (क) शाखासु | **(iii) शाखाओं पर** |
| (ख) नीडेषु | **(i) घोंसलों में** |
| (ग) पादप: | **(iv) वृक्ष** |
| (घ) पुष्टम् | **(v) स्वस्थ** |
| (ङ) कूजनम् | **(ii) बोलना** |

**7. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति तथा वचन लिखिए-**

| | शब्द | | विभक्ति | वचन |
|---|---|---|---|---|
| (क) | कूपात् | = | **पञ्चमी** | **एकवचन** |
| (ख) | पादपान् | = | **द्वितीया** | **बहुवचन** |
| (ग) | कुसुमानि | = | **प्रथमा** | **बहुवचन** |
| (घ) | अनुभवनित | = | ✗ | **बहुवचन** |
| (ङ) | गन्धराजस्य | = | **षष्ठी** | **एकवचन** |

अष्टमः पाठः
**8**

# सम्बोधन (सम्बोधन कारक)
## (Vocative Case)

**हिन्दी अनुवाद**

**संलापः (बातचीत)**

**शिक्षक** – राम! तुम कहाँ जा रहे हो?
**राम** – श्रीमान्! मैं बाजार को जा रहा हूँ।
**शिक्षक** – क्या तुम अकेले ही जा रहे हो?
**राम** – नहीं श्रीमान्! मैं रशीद के साथ जा रहा हूँ।
**शिक्षक** – हे छात्रो! तुम इस समय क्यों जा रहे हो?
**रशीद** – श्रीमान्! मैं (मुझे) अभ्यास पुस्तिका चाहता हूँ। (चाहिए)।
**डेविड** – श्रीमान्! मैं एक किताब और एक स्याही की दवात चाहता हूँ।
**शिक्षक** – बच्चो, जल्दी जाओ और जल्दी आओ। बाजार में लोगों की भीड़ अधिक होती है, इसलिए सावधानी से चलो (चलना)।
(तीन लड़के बाजार जाते हैं। दो लड़कियाँ रास्ते में मिलती हैं।)
**डेविड** – अरे रशीदा! तुम यहाँ क्यों आ रही हो?
**रशीदा** – मित्र डेविड! आज मेरा छोटा भाई अस्वस्थ है, इसलिए मैं दवाई चाहती हूँ।

**डेविड** — रशीदा! हमीदा क्यों आती है (आई है)?

**हमीदा** — हे मित्र! मैं रशीदा के साथ आई हूँ। मैं कुछ भी नहीं चाहती हूँ, केवल घूमने के लिए आती हूँ।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- (क)** श्रीमन्! अहम् आपणं गच्छामि।

**(ख)** रशीद: डेविड: च—श्रीमन्! वयम् अभ्यासपुस्तिकार्थं, पुस्तकार्थं मसिपात्रार्थं च आपणं गच्छाम:।

**(ग)** राम:—नहि श्रीमन्! अहं रशीदेन सह गच्छामि।

**(घ)** रशीदा—अद्य मम अनुज: रुग्ण: अस्ति, अत: औषधार्थम् आगच्छामि।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** अहम् एकं **पुस्तकं** वाञ्छामि। **(ख)** अहम् एकं मसिपात्रं **वाञ्छामि।**

**(ग)** **अहम्** आपणं गच्छामि। **(घ)** अहं रशीदेन सह **आपणं** गच्छामि।

**(ङ)** अहं **रशीदया:** सह आगता।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** अहम् आपणं गच्छामि। **(ख)** अहम् अभ्यासपुस्तिकां वाञ्छामि।

**(ग)** आपणे जनसमूह: अधिक: भवति। **(घ)** डेविड! अद्य अनुज: अस्वस्थ: अस्ति।

**(ङ)** अहं रशीदया सह गच्छामि।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** राम! तुम कहाँ जा रहे हो? **(ख)** मैं अभ्यासपुस्तिका चाहता हूँ।

**(ग)** मैं बाजार जा रहा हूँ। **(घ)** तुम इस समय क्यों जा रहे हो?

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर- (क)** आपणम् — वयं सर्वे अद्य सायंकाले **आपणं** गमिष्याम:।

**(ख)** रशीदेन — हमीदा **रशीदेन** सह आपणं गच्छति।

**(ग)** वाञ्छामि — अहं कन्दुकं क्रीडनकं च **वाञ्छामि।**

**(घ)** मसिपात्रम् — डेविड: आपणात् एक **मसिपात्रम्** आनयति।

**(ङ)** भ्रमणार्थम् — जना: **भ्रमाणार्थम्** अपि नगरे गच्छन्ति।

**6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-**

**(क)** अस्वस्थ: = **अ** + **स्वस्थ:** **(ख)** रशीदेन = **रशीद:** + **एन**

**(ग)** जन्मोत्सव: = **जन्म:** + **उत्सव:** **(घ)** किमर्थम् = **किम्:** + **अर्थम्**

**नवमः पाठः**

**9**

# सुभाषितानि
## (Eloquently)

**हिन्दी अनुवाद**

**अभिवादनशीलस्य ..... आयुर्विद्यायशोबलम् ॥ 1॥**

**अनुवाद**—नमस्कारादि अच्छे आचरण करने वाले की, बुजुर्गों की सेवा करने वाले की चार चीजें बढ़ती हैं—आयु, विद्या, यश और बल।

**सम्पत्तौ ..... तथा ॥ 2॥**

**अनुवाद**—सज्जनों अथवा महापुरुषों की एकरूपता अर्थात् स्थिति सुख और दु:ख में वैसी ही एक जैसी होती है, जैसे सूर्य उदित होते समय लाल होता है और अस्त होते समय भी लाल होता है। अर्थात् सज्जन सुख-दु:ख में एक समान रहते हैं।

**जाड्यं ..... पुंसाम्॥ 3॥**

**अनुवाद**—मूढ़ता को बुद्धि हरती है, वाणी को सत्य सींचता है अर्थात् सत्य से वाणी रसमय हो जाती है। सम्मान में उत्तरोत्तर वृद्धि को दिखाती है, पापादि कार्यें से दूर करती है, हटाती है, मन को प्रसन्न करती है, कीर्ति (यश) को दिशाओं में फैलाती है। इस प्रकार सज्जनों की संगति अर्थात् उनका साथ, कहो लोगों का क्या नहीं करती है अर्थात् व्यक्ति को संपूर्ण सद्गुणों से पूर्ण करती है।

**वृत्तं ..... हत:॥ 4॥**

**अनुवाद**—चरित्र को यत्नपूर्वक रखे अर्थात् उसकी यत्नपूर्वक रक्षा करे। चरित्र हीन न हो, और धन तो आता-जाता है। धन नष्ट होने पर कुछ ही नष्ट होता है, किंतु चरित्र के नष्ट होने पर सब कुछ मर जाता है अर्थात् सब नष्ट हो जाता है।

**परिवर्तिनि ..... समुन्नतिम्॥ 5॥**

**अनुवाद**—इस बदलते संसार में कौन मरता नहीं है अथवा कौन उत्पन्न नहीं होता है। अर्थात् जो जन्म लेता है, वह मरता अवश्य है और जो मरता है वह जन्म लेता है। जिसके जन्म लेने से कोई वंश उन्नति को प्राप्त होता है, उसकी वंश-वृद्धि होती है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- (क)** अभिवादनशीलस्य आयु:, विद्या, यशो बलं च वर्धन्ते।

**(ख)** येन जातेन वंश: समुन्नतिं प्राप्नोति।

**(ग)** सत्संगति: पुंसां जाड्यं हरति, वाचि सिञ्चति, मानवम् उन्नतिं प्रापयते, पापं दूरी करोति, चेत: प्रसादयति, कीर्तिं दिक्षु तनोति।

**(घ)** धिय: जाड्यं हरति।

**(ङ)** वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** वृत्तं **यत्नेन** संरक्षेत्।

**(ख)** जाड्यं **धियो** हरति।

**(ग)** सम्पत्तौ च विपत्तौ च **महतामेकरुपता**।

**(घ)** **अभिवादनशीलस्य** नित्यं **वृद्धोपसेविन:**।

**(ङ)** **सत्संगति:** कथय किं न करोति पुंसाम्।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** पुण्य प्राप्त करने के लिए परोपकार करें, पाप के लिए दूसरों को कष्ट पहुँचाना है।

**(ख)** संतोष से परे कोई सुख नहीं है।

**(ग)** गुणरूपी रूप से युक्त व्यक्ति प्रेम-पात्र होता है।

**(घ)** तृष्णा (लालच) से बड़ी कोई बीमारी नहीं है।

**(ङ)** सुख और दु:ख में सज्जन एक समान होते हैं।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** गुणानां सर्वत्र पूजा भवति।

**(ख)** नास्ति क्रोधसमं शत्रु:।

**(ग)** लोभात् परं व्याधि: नास्ति।

**(घ)** अस्य संसारस्य द्वौ मधुरौ फलौ स्त:।

**(ङ)** न सन्तोषात् परं सुखम्।

**5. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए-**

| शब्द | अर्थ | शब्द | अर्थ |
|---|---|---|---|
| चत्वारि | **चार** | कथय | **कहो** |
| नित्यम् | **रोज** | संसारे | **संसार में** |
| सम्पत्तौ | **सुख में** | चेत: | **मन** |
| सविता | **सूर्य** | दिक्षु | **दिशाओं में** |

दशमः पाठः

**10**

# लट् लकार (वर्तमान काल)
## (Present Tense)

**हिन्दी अनुवाद**

| | | |
|---|---|---|
| **यह छात्र है।** | **ये दो छात्र हैं।** | **ये ( तीन ) छात्र हैं।** |
| **वह ( नमस्कार ) करता है।** | **वे दोनों नमन करते हैं।** | **वे सब नमन करते हैं।** |
| **यह लड़की है।** | **ये दो लड़कियाँ हैं** | **ये लड़कियां हैं।** |
| **वह पढ़ती है।** | **वे दोनों पढ़ती हैं।** | **वे सब पढ़ती हैं।** |
| **यह मित्र है** | **ये दो मित्र हैं।** | **ये सब मित्र हैं।** |
| **वह हँसता है।** | **वे दो हँसते हैं।** | **वे सब हँसते हैं।** |
| **तुम क्या खाते हो?** | **तुम दोनों क्या खाते हो?** | **तुम सब क्या खाते हो?** |
| **मैं सेब खाता हूँ।** | **हम दोनों सेब खाते हैं।** | **हम सब सेब खाते हैं।** |
| **तुम क्या पढ़ रही हो?** | **तुम दोनों क्या पढ़ रही हो?** | **तुम सब क्या पढ़ रही हो?** |
| **मैं पाठ पढ़ रही हूँ।** | **हम दोनों पाठ पढ़ रही हैं।** | **हम सब पाठ पढ़ रही हैं।** |
| **सैनिक क्या करता है?** | **ये दौ सैनिक क्या करते हैं?** | **सैनिक क्या करते हैं?** |
| **सैनिक रक्षा करता है।** | **ये दो सैनिक रक्षा करते हैं।** | **सैनिक रक्षा करते हैं।** |

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- ( क )** उद्याने खगा: कूजन्ति। **( ख )** बालका: क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति।
**( ग )** वृद्धा: उपवने भ्रमन्ति। **( घ )** उद्याने शीतल: पवन: वहति।
**( ङ )** वायु: शीतल: मनोहर: अस्ति। **( च )** उद्याने जना: व्यायामादिकं कुर्वन्ति।
**( छ )** उद्याने जना: मिलित्वा वृक्षारोपणं कुर्वन्ति।

**2. रिक्त स्थान पर दिए गए धातु शब्द का उपयुक्त लट् लकार रूप लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** राम: **गच्छति**। **( ख )** रमा **गायति**।
**( ग )** शुका: **वदन्ति**। **( घ )** रमा शोभा च **खेलत:**।
**( ङ )** पत्राणि **पतन्ति**। **( च )** ता: **भ्रमन्ति**।
**( छ )** इयं बालिका **नृत्यति**। **( ज )** पुस्तके **स्त:**।
**( झ )** क: **हसति**?

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** छात्रा: पठन्ति। **( ख )** सीता लिखति।

(ग) रमा लता च हसत:।
(घ) शिक्षका: उपदिशान्ति।
(ङ) राम:, श्याम: मोहन: च धावन्ति।
(च) युवां कुत्र भ्रमथ:?
(छ) वयं तराम:।
(ज) अहं विद्यालये पठामि।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** (क) यह मित्र है।
(ख) ये दो छात्र हैं।
(ग) ये सब लड़कियाँ हैं।
(घ) ये सब मित्र हैं।
(ङ) तुम क्या खाते हो?
(च) तुम दोनों क्या खाते हो?
(छ) तुम सब क्या खाते हो?
(ज) दो सैनिक रक्षा करते हैं।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर-** (क) एष: — **एष:** मृग: वेगेन धावति।
(ख) एतौ — **एतौ** बालकौ ध्यानेन पाठं पठत:।
(ग) एते — **एते** नरा: उपवने भ्रमन्ति।
(घ) त्वम् — **त्वम्** अद्य कुत्र गच्छसि?
(ङ) युवाम् — **युवां** स्वकार्यं ध्यानेन कुरुथ:।
(च) यूयम् — **यूयं** तत्र गत्वा वृक्षारोपणं कुरुथ।
(छ) एतत् — **एतत्** अतिमधुरं फलम् अस्ति।
(ज) एतानि — **एतानि** आम्रानि गृहे नीत्वा गच्छ।

**6. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-**

(क) पठ् + अति = **पठति**
(ख) पठ् + अत: = **पठत:**
(ग) पठ् + अन्ति = **पठन्ति**
(घ) पठ् + असि = **पठसि**
(ङ) पठ् + अथ: = **पठथ:**
(च) पठ् + आम: = **पठाम:**

एकादशः पाठः

**11**

## उत्तमः छात्रः (वर्तमान काल)
## [Ideal Student (Present Tense)]

**हिन्दी अनुवाद**

**रमेश: एक: ..... प्राप्नोति।**

**अनुवाद**—रमेश एक सुशील बालक है। उसके पिता एक अध्यापक हैं। पार्वती रमेश की माता है। वह रमेश को पालती है और उसकी रक्षा करती है।

रमेश सूर्योदय से पहले बिस्तर छोड़ता है। सबसे पहले वह माता-पिता के चरण छूता है। उसके बाद वह शौच, दाँत साफ करके, स्नानादि कार्य पूर्ण करता है। वह हमेशा स्वच्छ वस्त्र पहनता है। उसके बाद वह मंदिर जाता है। वहाँ देव (भगवान) को नमन करता है।

वह समय से विद्यालय जाता है। वहाँ वह आचार्यों (गुरुओं) को नमस्कार करता है। रमेश पढ़ने में कुशल है। वह सभी विषयों को ध्यान से पढ़ता है। वह अच्छा लिखता है। वह परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करता है।

**रमेश: शोभनं ..... करिष्यन्ति।**

**अनुवाद**—रमेश अच्छा बालक है। वह गुरुजनों की आज्ञा का पालन करता है। विद्यालय में वह दूसरे बालकों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करता है। वह अपने मित्रों की सहायता करता है। सभी बालक उसकी प्रशंसा करते हैं। गुरुजन भी उसके व्यवहार से प्रसन्न हैं।

रमेश प्रतिदिन शाम के समय खेल के मैदान को (में) जाता है। वहाँ वह लड़कों के साथ खेलता है। खेलने में वह झगड़ा नहीं करता है। प्रतिदिन व्यायाम करने से वह स्वस्थ और नीरोग है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है।

रमेश श्रेष्ठ छात्र है। उसके आचार्य उसकी सदा प्रशंसा करते हैं। वे कहते हैं, ऐसे बालक भारतभूमि पर रत्न होते हैं। वे भारत देश को उन्नत करेंगे।

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—**

**उत्तर—** **(क)** रमेश: सुशील: बालक: अस्ति। **(ख)** रमेशस्य जनक: एक: अध्यापक: अस्ति।
**(ग)** पार्वती रमेशस्य माता अस्ति। **(घ)** रमेश: सूर्योदयात् पूर्वं शय्यां त्यजति।
**(ङ)** उत्थाय स: प्रथमं मातुपितु: चरणौ स्पृशति। **(च)** मन्दिरे स: देवाय नमति।
**(छ)** स: बालकै: सह स्नेहेन व्यवहरन्ति। **(ज)** रमेश: सायंकाले क्रीडाक्षेत्रे गच्छति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

**उत्तर—** **(क)** तत्र स: देवाय **नमति**। **(ख)** स: समयेन **विद्यालयं** गच्छति।
**(ग)** स: गुरुजनानां वचनानि **पालयति**। **(घ)** रमेश: प्रतिदिनं **सायंकाले** क्रीडाक्षेत्रं गच्छति।
**(ङ)** स: परीक्षायां **प्रथमं** स्थानं प्राप्नोति। **(च)** क्रीडने स: **कलहं** न करोति।
**(छ)** नित्यव्यायमेन स: **स्वस्थ: नीरोग:** च अस्ति। **(ज)** स्वस्थे शरीरे एव **स्वस्थं** चित्तं निवसति।
**(झ)** ईदृशा: बालका: भारतभूमौ **रत्नानि** भवन्ति। **(ञ)** स: बालकै: सह **स्नेहेन** व्यवहरति।

**3. निम्नलिखित शब्दों के कारक, विभक्ति और वचन लिखिए—**

| शब्द | **कारक** | **विभक्ति** | **वचन** |
|---|---|---|---|
| बालकै: | **करण** | **तृतीया** | **बहुवचन** |
| गुरुजनानाम् | **संबंध** | **षष्ठी** | **बहुवचन** |
| शय्याम् | **कर्म** | **द्वितीया** | **एकवचन** |
| वस्त्राणि | **कर्म** | **द्वितीया** | **बहुवचन** |
| स्नेहेन | **करण** | **तृतीया** | **एकवचन** |

**4. त्यज् (छोड़ना) तथा कृ (करना) धातुओं के लट् लकार में रूप लिखिए—**

| **धातु** | **पुरुष** | **एकवचन** | **द्विवचन** | **बहुवचन** |
|---|---|---|---|---|
| त्यज् | **प्रथम** | **त्यजति** | **त्यजत:** | **त्यजन्ति** |
| कृ | **प्रथम** | **करोति** | **कुरुत:** | **कुर्वन्ति** |

**5. कोष्ठांकित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

**उत्तर—** (नमति, वदामि, पठति, गच्छति, करोति)
सार्थक: विद्यालये गत्वा स्व आचार्येभ्य: **नमति**।
अहं सदा मधुरं सत्यं च **वदामि**।
रमा विद्यालये पाठं ध्यानेन **पठति**।
कृष्ण: प्रतिदिनं मन्दिरं **गच्छति**।
मोहन: प्रतिदिनं उपवने व्यायामं **करोति**।

**6. 'देव' शब्द के नीचे लिखी विभक्तियों के रूप लिखिए—**

| **कारक** | **विभक्ति** | **एकवचन** | **द्विवचन** | **बहुवचन** |
|---|---|---|---|---|
| कर्ता | प्रथमा | **देव:** | **देवौ** | **देवा:** |
| कर्म | द्वितीया | **देवम्** | **देवौ** | **देवान्** |
| करण | तृतीया | **देवेन** | **देवाभ्याम्** | **देवै:** |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सम्प्रदान | चतुर्थी | **देवाय** | **देवाभ्याम्** | **देवेभ्यः** |
| अपादान | पञ्चमी | **देवात्** | **देवाभ्याम्** | **देवेभ्यः** |
| संबंध | षष्ठी | **देवस्य** | **देवयोः** | **देवानाम्** |
| अधिकरण | सप्तमी | **देवे** | **देवयोः** | **देवेषु** |

द्वादशः पाठः

**12**

# लोकमान्यः तिलकः (लङ्लकार)
# [Lokmanya Tilak (Past Tense)]

**हिन्दी अनुवाद**

**लोकमान्यः ..... अगच्छत्।**

**अनुवाद**—लोकमान्य बालगंगाधर तिलक वास्तव में राष्ट्र के तिलक थे। तिलक ने ही हमें स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया था। उन्होंने राष्ट्र की अनुपम सेवा की।

''स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।'' ऐसा पाठ उन्होंने ही हमें सिखाया। तिलक का जन्म महाराष्ट्र राज्य के चिरबल नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता रामचंद्र गंगाधर राव एक कुशल शिक्षक थे। तिलक की माता बहुत ही सुशील और ईश्वरभक्त थीं, किंतु जब ये दस साल के थे, उनकी माता स्वर्ग को प्राप्त हो गईं।

**तिलकस्य ..... अन्वभवत्।**

**अनुवाद**—तिलक का बचपन सुख से नहीं बीता। जब ये सोलह साल के थे, इनके पिता ने शरीर छोड़ दिया, फिर भी मेहनत से अध्ययन किया। इस प्रकार वे स्नातक की उपाधि से सम्मानित हुए। तिलक संस्कृत के अद्भुत पण्डित थे। अपने पिता की तरह इन्होंने भी शिक्षण-कार्य किया। जल्दी ही वे राष्ट्रसेवा में संलग्न हो गए। राष्ट्रहित के लिए वे अनेक बार जेल गए और बहुत से कष्टों को महसूस किया, सहा।

**तिलकः ..... अकुर्वन्।**

**अनुवाद**—तिलक ने दो पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने पत्रों के द्वारा देश को जगाया। जब विदेशियों (अंग्रेजों) के डर से आजादी के लिए कोई भी एक शब्द भी नहीं बोलता था, तब तिलक ने निडरतापूर्वक अपने विचारों को प्रकाशित किया। धीरे-धीरे अनगिनत लोग उनके अनुचर हो गए और देश को आजाद किया।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-**

**उत्तर- (क)** तिलकस्य जन्म महाराष्ट्र राज्यस्य चिरबल नामके ग्रामे अभवत्।

**(ख)** तिलकस्य बाल्यकालः दुःखपूर्णम् आसीत्।

**(ग)** सः ''स्वराज्यम् अस्माकं जन्मसिद्धः अधिकारः।'' इति पाठम् अस्मान् अपाठयत्।

**(घ)** तिलकस्य जनकः रामचन्द्र गंगाधर रावः आसीत्।

**(ङ)** तिलकं प्रति अस्माकं कर्त्तव्यम् अस्ति यत् वयं मानसा, वाचा, कायेन अस्य महाभागस्य विचारान् स्वात्मनि अवतरेम ज्ञापितस्य मार्गासरणं कुर्याम।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** तिलकः संस्कृतस्य **अद्भुतः** पण्डितः आसीत्। **(ख)** तिलकः द्वे पत्रे **अप्रकाशयत्**।

**(ग)** यदा सः दशवर्षीयः आसीत् तस्य **जननी** शरीरम् अत्यजत्।

**(घ)** तिलकः **परिश्रमेण** अध्ययनम् अकरोत्। **(ङ)** तिलकस्य जननी **सुशीला ईशभक्ता च** आसीत्।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—तिलक ने दो पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने पत्रों के द्वारा देश को जगाया। जब विदेशियों (अंग्रेजों) के डर से आजादी के लिए कोई भी एक शब्द भी नहीं बोलता था, तब तिलक ने निडरतापूर्वक अपने विचारों को प्रकाशित किया। धीरे-धीरे अनगिनत लोग उनके अनुचर हो गए और देश को आजाद किया।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **(क)** तिलक: राष्ट्रस्य वस्तुत: तिलक: आसीत्। **(ख)** तिलकस्य जन्म चिरबल नामके ग्रामे अभवत्।
**(ग)** तिलक: स्वबाल्यकालं काठिन्येन अयापयत्। **(घ)** स: राष्ट्रसेवायां पूर्णतया संलग्न: अभवत्।
**(ङ)** स्वतन्त्रता अस्माकं जन्मसिद्ध: अधिकार: अस्ति। **(च)** तिलक: द्वे पत्रे अप्रकाशयत्।
**(छ)** स: अनेकवारं कारागारम् अगच्छत्। **(ज)** स: देशं स्वतन्त्रम् अकारयत्।

**5. निम्नलिखित शब्दों का सही अर्थ छाँटकर लिखिए-**

**उत्तर–** तिलकम् → **टीका,** कुटिल: = **टेढ़ा**
कोलाहल: → **शोर,** आतुर: = **रोगी**
अनुग्रह: → **कृपा** समर्थ: = **शक्तिसंपन्न**

**6. सही वाक्य के सामने ( ✓ ) तथा गलत वाक्य के सामने ( ✗ ) का निशान लगाइए-**

**(क)** तिलक: अस्मान् परतन्त्रताया: पाठम् अपाठयत्। ✗
**(ख)** तिलकस्य जन्म मुम्बई नगरे अभवत्। ✗
**(ग)** तस्य जनक: रामचन्द्रगंगाधर राव: आसीत्। ✓
**(घ)** तस्य जनक: एक: कुशल: शिक्षक: आसीत्। ✓
**(ङ)** तिलकस्य जननी परमसुशीला ईशभक्ता च आसीत्। ✓

**7. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-**

**(क)** पत्राभ्याम् = **पत्र** + **आभ्याम्** **(ख)** स्वविचारान् = **स्व** + **विचारान्**
**(ग)** विविधानि = **विविध** + **आनि** **(घ)** उद्बुद्धम् = **उद्** + **बुद्धम्**
**(ङ)** सम्मानित = **सम्मान** + **इत** **(च)** शब्दोच्चारणम् = **शब्द** + **उच्चारणम्**

**8. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** **(क)** जननी — अस्माकं **जननी** अस्मान् परिपालने स्वकष्टमपि न चिन्तयति।
**(ख)** बालकाय — इमानि चित्राणि तस्मै **बालकाय** देहि।
**(ग)** स्नातकस्य — तिलक: परिश्रमेण पठित्वा **स्नातकस्य** उपाधिम् अप्राप्नोत्।
**(घ)** कष्टानि — तिलक: बाल्यकाले बहूनि **कष्टानि** असहत्।
**(ङ)** निर्भीक: — भरत: बाल्यकाले **निर्भीक:** आसीत्।
**(च)** अगणिता: — तिलकस्य विचारेभ्य: प्रभाविता: **अगणिता:** जना: तस्यानुचरा: अभवन्।
**(छ)** अनुचरा: — बुद्धस्य अनुचरा: अहिंसाधर्मं सर्वत्र अप्रसारयन्।
**(ज)** स्वतन्त्रम् — तिलक: स्व प्रयासेन देशं **स्वतन्त्रम्** अकारयत्।

**त्रयोदशः पाठः**

**13**

# मृदमपि च चन्दनम्
## (Even Soil Saudal)

**हिन्दी अनुवाद**

**मृदमपि ..... श्रीरामाः।।**

**अनुवाद**—इस देश में मिट्टी भी चंदन है, प्रत्येक गाँव तपोवन है। और लड़कियाँ देवी के समान हैं, जबकि लड़के श्रीराम हैं। (ऐसा हमारा देश महान है।)

**हरिमन्दिरामिदमखिलशरीरम् ..... बाला....॥**

**अनुवाद**—जहाँ यह संपूर्ण शरीर ही ईश्वर का मन्दिर है। धनरूपी शक्ति जनता की सेवा के लिए प्रयोग होती है और जहाँ वनराज (शेर) खेलने के लिए होते हैं, अर्थात् इस देश के बच्चे भी शेरों से खेलते हैं। गोमाता परम कल्याणकारी है रोज सुबह शिव का गुणगान होता है, जहाँ के लोग वास्तव में शत्रुओं के घर में दीपक का प्रकाश फैलाते हैं। और जहाँ बालाएँ देवी स्वरूपा हैं, बच्चे श्रीराम हैं, ऐसा हमारा देश महान है।

**भाग्यविधायि ..... बाला....॥**

**अनुवाद**—जहाँ भाग्य बनाने वाले अपने कर्म को अर्जित करते हैं और अपनी मेहनत से लक्ष्मी अर्थात् धन को अर्जित करते हैं, तपस्वियों का धन त्याग है, जहाँ के देश के वीर-महापुरुषों की गाथा को, कविगण अपनी वाणी से गाते हैं, गंगाजल के समान नित्य निर्मल ज्ञान का व्याख्यान संन्यासियों की वाणी करती है, और जहाँ बालिकाएँ देवी स्वरूपा हैं, बालक श्रीराम हैं, ऐसा हमारा देश महान है।

**यत्र हि ..... श्रीरामाः....॥**

**अनुवाद**—जहाँ युद्ध में लगे वीरों का अपने शरीर का निश्चय ही विशेष मोह नहीं है, जहाँ निश्चय ही किसान अपने कार्य में लगे हुए जीवन की सफलता को देखता है। जहाँ के लोगों के जीवन का लक्ष्य धन प्राप्त करना न होकर परमशिव के चरणों की सेवा करना होता है। और लड़कियाँ देवी स्वरूपा हैं, लड़के श्रीराम हैं, ऐसा हमारा देश महान है।

जहाँ की मिट्टी चंदन है, इस देश में प्रत्येक गाँव तपोवन है। और जहाँ लड़कियाँ देवी स्वरूपा है, लड़के श्रीराम हैं, ऐसा हमारा देश महान है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए-**

**उत्तर- (क)** भारतीयानां जीवनस्य लक्ष्यमस्ति परशिवपदसेवा। **(ख)** कृष्कस्य जीवनः साफल्यरूपेण अस्ति।
**(ग)** वीराः स्वदेहविमोहः न कृत्वा युद्धे रताः भवन्ति। **(घ)** हरिमन्दिरम् अस्माकं शरीरम्।
**(ङ)** अस्मिन् पाठे कविः भारतीयानां स्तुतिः अकुर्वन्।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** यत्र हि **नैवस्वदेह विमोहः युद्धरतानां** वीराणाम्।
**(ख)** मृदमपि **च चन्दनमस्मिन् देशे ग्रामो ग्रामः** सिद्धवनम्।
**(ग)** हरिमन्दिर**मिदमसिलशरीरम् धनशक्तिः जन सेवायै। यत्र च क्रीडायै वनराजः, धेनुमाता** परम शिवा।
**(घ)** मृदमपि च चन्दनमस्मिन् **देशे ग्रामो ग्रामः** सिद्धवनम्।
**(ङ)** नित्यं प्रातः शिवगुणगानम्, **दीपनुतिः खलु** शत्रुपुरा।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—जहाँ युद्ध में लगे वीरों का अपने शरीर के प्रति निश्चय ही विशेष मोह नहीं है। जहाँ निश्चित रूप से किसान अपने कार्यों में लगे हुए जीवन की सफलता को देखता है। ऐसा हमारा देश महान है।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** देशस्य ग्राम-ग्रामाणां भूमिः सिद्धवनम् अस्ति। **(ख)** तपोवनस्य मृदा अपि चंदनमस्ति।
**(ग)** प्रतिदिनं प्रातः काले शिवस्य गुणगानं कुरु। **(घ)** ईश्वरस्य मंदिरमेव अखिलं शरीरम् अस्ति।
**(ङ)** धनशक्तिः जन-सेवायै अस्ति।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर-** कृषकः — भारतीयः **कृषकः** क्षेत्रेषु परिश्रमेण कार्यं करोति न कदापि विषादं करोति।
जीवनलक्ष्यम् — जीवन-मृत्योः बन्धनाद् विमुक्तये अस्माकं **जीवनलक्ष्यं** भवेत्।

वनराज: — भारतीय वीराणां कृते **वनराज:** अपि क्रीडनकमिव वर्तते।
बाला: — भारतीया: **बाला:** अपि देवी स्वरूपा: सन्ति।
श्रम: — प्रत्येकस्मिन् कार्ये अस्माभि: पूर्ण मनोयोगेन **श्रम:** कर्त्तव्य:।
नित्यं प्रात: — सर्वे: **नित्यं प्रात:** शिवगुणगानं करणीयम्।

**6. निम्नलिखित क्रिया के रूप लङ् लकार में लिखिए-**

| धातु | पुरुष | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|---|
| अर्ज् | प्रथम | **अर्जयत्** | **अर्जयताम्** | **अर्जयन्** |
| धाव् | मध्यम | **अधावत्** | **अधावताम्** | **अधावन्** |
| क्रीड् | उत्तम | **अक्रीडत्** | **अक्रीडताम्** | **अक्रीडन्** |
| भव् | प्रथम | **अभवत्** | **अभवताम्** | **अभवन्** |
| पश्य् | मध्यम | **अपश्यत्** | **अपश्यताम्** | **अपश्यन्** |
| पच् | उत्तम | **अपचत्** | **अपचताम्** | **अपचन्** |

चतुर्दशः पाठः

# 14

# गणना-ज्ञानम्
# (Counting Knowledge)

**हिन्दी अनुवाद**

**पिता** — बेटे! ये कितने फल हैं?
**पुत्र** — ये दस फल हैं।
**पिता** — एक फल मैं तुम्हें देता हूँ, अब ये एक और दस, ग्यारह फल हैं।
**पुत्र** — पिताजी! दो और दस कौन-सी संख्या होगी?
**पिता** — दो और दस बारह, तीन और दस, तेरह, इसी प्रकार चौदह, पंद्रह, सोलह, सत्रह, अठारह गिनती होती है।
**पुत्र** — पिताजी, उसके बाद कौन-सी संख्या होती है?
**पिता** — बेटे! उसके बाद उन्नीस होती है। इसका अर्थ है एक कम बीस। दो गुनी दस बीस होती हैं।
**पुत्र** — पिताजी! बीस के बाद कौन-सी संख्या होती है?
**पिता** — उसके बाद बेटे! इक्कीस, बाईस, तेईस, चौबीस, पच्चीस इत्यादि संख्याएँ होती हैं।
**पुत्र** — संख्या का प्रयोग कैसे होता है?
**पिता** — सुनो, एक वर्ष में बारह महीने होते हैं, राम चौदह वर्ष तक वन में रहे। चंद्रमा की सोलह कलाएँ हैं, हाथ में पाँच अंगुलियाँ होती हैं।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- (क)** वर्षे द्वादश मासा: भवन्ति। **(ख)** मासे द्वौ पक्षो भवत:।
**(ग)** पक्षे पञ्चदश दिनानि भवन्ति। **(घ)** करे पञ्च अंगुल्य: सन्ति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** वर्षे **द्वादश:** मासा: भवन्ति। **(ख)** चन्द्रस्य **षोडश:** कला: सन्ति।
**(ग)** करे **पञ्च** अङ्गुल्य: भवन्ति। **(घ)** राम: **चतुर्दश** वर्षाणि वने अवसत्।

(ङ) **द्विगुणितः** दश विंशतिः।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** (क) ईश्वरः एकः अस्ति। (ख) शोभनानि शोभनानि पञ्च पुष्पाणि आनय।
(ग) ममा अद्य दस फलानि भक्षितानि। (घ) त्वया कति पुस्तकानि आनितानि?
(ङ) अहं तुभ्यं दश पुस्तकानि यच्छामि। (च) अस्माकं विद्यालये विंशतिः दिवसानाम् अवकाशः अस्ति।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** (क) बेटे! ये कितने फल हैं? (ख) ये दस फल हैं।
(ग) इसका अर्थ है एक कम बीस। (घ) राम चौदह वर्ष के लिए वन को गए।
(ङ) चंद्रमा की सोलह कलाएँ होती हैं।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

**उत्तर–** (क) अहम् — **अहं** पञ्च पुस्तकानि आनयामि।
(ख) एकम् — तेन बालेन **एकं** पुष्पं त्रोटितम्।
(ग) पञ्चदशः — एकस्मिन् विद्यालये **पञ्चदशः** कक्षाः सन्ति।
(घ) द्विगुणिताः — **द्विगुणिताः** दशविंशतिः भवन्ति।
(ङ) षोडशः — श्रीकृष्णः **षोडशः** कलाभिः पूर्णः आसीत्।
(च) फलानि — इमानि द्वादश **फलानि** मधुराणि सन्ति, अन्यानि फलानि अम्लानि सन्ति।

**6. निम्नलिखित संख्याओं को शब्दों में लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 29 — **एकोनत्रिंशत्** | 20 — **विंशतिः** | 16 — **षोडशः** |
| 18 — **अष्टादशः** | 15 — **पञ्चदशः** | 14 — **चतुर्दशः** |
| 11 — **एकादशः** | 12 — **द्वादशः** | 24 — **चतुर्विंशतिः** |

**7. निम्नलिखित संख्याओं को अंकों में लिखिए–**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पञ्चविंशतिः | — | **25** | एकोनविंशतिः | — | **19** |
| सप्तदशः | — | **17** | त्रयोदशः | — | **13** |
| षोडशः | — | **16** | अष्टादशः | — | **18** |
| द्वाविंशतिः | — | **22** | चतुर्विंशतिः | — | **24** |

**8. एक से पच्चीस तक गिनती संस्कृत में लिखिए–**

**उत्तर– एकः, द्वौ, त्रयः, चत्वारः, पञ्च, षट्, सप्त, अष्ट, नव, दश, एकादशः, द्वादशः, त्रयोदशः, चतुर्दशः, पञ्चदशः, षोडशः, सप्तदशः, अष्टादशः, एकोनविंशतिः, विंशतिः, एकविंशतिः, द्वाविंशतिः, त्रयोविंशतिः, चतुर्विंशतिः, पञ्चविंशतिः।**

पञ्चदशः पाठः

**15**

# अहिंसा पालनम्
## (Ahimsa Observing)

**हिन्दी अनुवाद**

**स्थानम् ..... सुखिनः।**

**अनुवाद**—(स्थान—दिल्ली शहर, शाम का समय, एक सभा एकत्र है। अनेक लोग महात्मा के दर्शन के लिए उत्सुक रहते हैं। तभी महात्मा गांधी प्रवेश करते हैं। सभी महात्मा को प्रणाम करते हैं। अनेक लोग पैरों में गिरते हैं।) महात्मा (अपने आपसे) सभी सुखी हों, सभी सुखी हों।

**जनाः ..... समर्पयन्ति।**

**लोग**—(ऊँचे स्वर से) गांधी जी की जय हो, भारत देश की जय हो। (महात्मा आगे जाते हैं, आसन पर बैठते हैं। लोग स्तुति

पाठ करते हैं अर्थात् स्तुति पढ़ते हैं, इसके बाद महात्मा उपदेश देते हैं।)

**महात्मा** — अहिंसा का पालन करो, सत्य का आचरण करो।

**लोग** — हम प्रतिज्ञा करते हैं, अहिंसक होंगे (बनेंगे), सत्य का आचरण करेंगे।
(तभी बम-विस्फोट होता है, बड़ा शोर होता है।)

**कुछ लोग** — यह क्या? यह क्या? किसने मारा?
महात्मा के ऊपर बम फेंका, बहुत बड़ा पाप है, बहुत बड़ा दु:ख है।

**महात्मा** — शान्ति! शान्ति!

**कुछ लोग** — अरे! खुशी का विषय है, भगवान की कृपा से महात्मा सुरक्षित हैं।

**दूसरे** — दौड़ो, दौड़ो, पकड़ो, पकड़ो उस दुष्ट को, वहीं है वह।

**महात्मा** — नहीं, नहीं, ऐसा मत करो।
(जल्दी ही लोग मदनलाल बाँधते है और सिपाहियों को सौंपते हैं।)
(पटाक्षेप: —पर्दा गिरता है।)
स्थानम् ..... उद्घोषयन्ति।)

**द्वितीयं दृश्यम् ( दूसरा दृश्य )**

(स्थान—न्यायालय, ऊँचे आसन पर न्यायाधीश हैं, एक स्थान पर मदनलाल आजाद है (खड़ा है।)

**न्यायाधीश** — तुमने महात्मा के ऊपर बम कैसे फेंका?

**मदनलाल** — मैंने अपनी इच्छा से फेंका।

**न्यायाधीश** — तब तुम दंड के योग्य हो।

**महात्मा** — (पर्दे के पीछे से) नहीं, नहीं, उपेक्षम्प कर देना चहिए, वह दंड के योग्य नहीं है।

**न्यायाधीश** — तुम्हारा यह बहुत बड़ा अपराध है, किंतु जिस महापुरुष के ऊपर तूने यह प्रहार किया है, वह तुझे क्षमा करता है। इसलिए मैं तुझे छोड़ता हूँ।
(मदनलाल जाता है, लोग महात्मा का जयघोष करते हैं।)

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- ( क )** महात्मन: उपरि मदनलाल: बम्बप्रक्षेपणम् अकरोत्।
**( ख )** न्यायाधीश: मदनलालम् अपृच्छत् यत् कथं त्वं महात्मन: उपरि अग्निलोलकम् (बम्बं) अक्षिप:।
**( ग )** मदनलाल: अवदत् यत् अहं स्वेच्छया आक्षिपम्।
**( घ )** महात्मा गान्धी अकथयत् यत् स: क्षन्तव्य: न च दण्डनीय:।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** अहिंसां **पालयत** सत्यम् आचरत। **( ख )** अनेके तस्य **पादयो:** पतन्ति।
**( ग )** परमेश्वरस्य कृपया **महात्मा** सुरक्षित:। **( घ )** सांध्य समय:, एका **सभा** सम्मिलिता अस्ति।
**( ङ )** सर्वे **महात्मानं** प्रणमन्ति।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** अहम् अहिंसाया: पालनं करोमि। **( ख )** एते बालका: पठने तीव्रा: सन्ति।
**( ग )** तवया महत् अपराधं कृतम् अस्ति। **( घ )** तथं दण्डनीय: असि।
**( ङ )** नहि, एष: त्याज्य:।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—अरे! खुशी का विषय है, भगवान की कृपा से महात्मा सुरक्षित हैं। दौड़ो, दौड़ो, पकड़ो, पकड़ो उस दुष्ट हो, वहीं है वह नहीं, नहीं, ऐसा मत करो।

(जल्दी ही लोग मदनलाल को बाँधते हैं और सिपाहियों को सौंपते हैं।)

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** समर्पयन्ति — जना: चौरं धारयन्ति आरक्षकेभ्य: च **समर्पयन्ति।**

क्षमयति — स्वोपरि आक्रमणकारिम् अपि महात्मा बुद्ध: **क्षमयति** स्म।

सुरक्षित: — अरे! पश्यत, पश्यत। महात्मातु **सुरक्षित:** अस्ति।

उपविशन्तु — सर्वेऽपि जना: **उपविशन्तु** ध्यानेन च मम वार्तां शृण्वनु।

धरत — अरे! **धरत** एनं दुष्टं य: निर्बलं ताडयति।

**6. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| महात्मानम् | = | **महात्मा** | + | **अनम्** |
| तिष्ठन्ति | = | **तिष्ठ्** | + | **अन्ति** |
| उपविशति | = | **उप** | + | **विशति** |
| परमेश्वर: | = | **परम** | + | **ईश्वर:** |
| उच्चासने | = | **उच्च** | + | **आसने** |
| न्यायाधीश: | = | **न्याय** | + | **अधीश:** |

**षोडशः पाठः**

**16**

# लखनऊ नगरम्
## (Lucknow Nagar)

**हिन्दी अनुवाद**

**लखनऊ नगरम् ..... अपि अस्ति।**

**अनुवाद**—लखनऊ नगर उत्तर प्रदेश की राजधानी है। प्राचीनकाल में लखनऊ नगर लक्ष्मणपुर इस नाम से मशहूर था। राम के भाई लक्ष्मण के नाम से यह नगर स्थापित है, ऐसा लोगों से सुना जाता है। यह एक प्राचीन और सुंदर नगर है। यहाँ बहुत-से दर्शनीय स्थान हैं; जैसे—1. रेजीडेंसी स्थल, 2. लखनऊ विश्वविद्यालय, 3. लखनऊ चिकित्सालय, 4. इमामबाड़ा भवन, 5. सचिवालय।

यह रेजीडेंसी स्थल है। यह हमें देशभक्तों के आत्मत्याग को याद कराता है। अंग्रेजों के शासन काल में यहाँ विदेशी आनंद से घूमते थे किंतु प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 ई० में) में भारतीयों ने अंग्रेज शासकों का विरोध किया। उस समय देश में अनेक स्थानों पर अंग्रेज सैनिकों के साथ भारतीयों का युद्ध हुआ। यहीं युद्ध में भारतीय भक्तों ने अपना खून बहाया; उनके त्याग से ही स्वतंत्रता की एक सीढ़ी बनी। इस स्थल के पास ही गोमती नदी के किनारे देशभक्तों के त्याग का एक स्मारक स्तंभ शहीद स्मारक भी है।

**लखनऊ विश्वविद्यालयः ..... अस्ति।**

**अनुवाद**—लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रसार के लिए बहुत दूर तक मशहूर है। इस समय इस विश्वविद्यालय में हजारों छात्र अध्ययन करते हैं। यहाँ बहुत दूर के प्रदेशों से छात्र अध्ययन के लिए आते हैं। इस विश्वविद्यालय का पुस्तकालय 'टैगोर' नाम से प्रसिद्ध है। यहीं एक चिकित्सा महाविद्यालय है। वह उत्तर प्रदेश का मुख्य चिकित्सा महाविद्यालय है। पहले यह चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय का अंग था किंतु अब स्वतंत्र रूप से चिकित्सा विश्वविद्यालय है।

**कीदृशं ..... प्रकटयति।**

**अनुवाद**—कैसा मनोहर है यह 'इमामबाड़ा भवन'! यह अवध शासकों का स्मारक है। इस भवन की छत बहुत विस्तृत है। यह खंभों के बिना भी बहुत कुशलता से बना है। इसमें एक विचित्र सीढ़ी-समूह है, जिसमें नए आगनुक बहुत बार मार्ग को भूल जाते हैं। यह भवन अवध शासकों के वास्तुकला के प्रेम को प्रकट करता है।

**लखनऊ नगरे ..... कथ्यते।**

**अनुवाद**—लखनऊ शहर में सचिवालय भवन भी देखने लायक है। इस भवन में विधान सभा और विधान परिषद् के अधिवेशन होते हैं। इस भवन में रहकर ही राज्य के मंत्री, सचिव और दूसरे अधिकारीगण राज्य कार्य संचालित करते हैं। सचिवालय में ही उत्तर प्रदेश सरकार का मुख्य कार्यालय है। यहाँ से बहुत विशाल राजभवन अधिक दूर नहीं है, जहाँ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहते हैं। इस समय इस शहर में बहुत सारे सुंदर बाग हैं। इसलिए यह 'बागों का शहर' भी कहा जाता है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** लखनऊ नगरे बहूनि दर्शनीयानि स्थलानि सन्ति अपरं च एतद् नगरम् उत्तर प्रदेशस्य राजधानी अपि अस्ति, अत: इदं नगरं प्रसिद्धम् अस्ति।

**( ख )** प्रथमस्वतन्त्रता संग्राम: 1857 तमे वर्षे अभवत्।

**( ग )** इमामबाडा भवनम् अवधशासकै: निर्मितम्।

**( घ )** विधानसभाया: अधिवेशनानि सचिवालयभवने भवन्ति?

**( ङ )** अस्माकं राज्यस्य राज्यपाल: सुविशाले राजभवने निवसति?

**2. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** लखनऊ शहर प्राचीन काल में 'लक्ष्मणपुर' इस नाम से प्रसिद्ध था।

**( ख )** राम के भाई लक्ष्मण के नाम से यह नगर स्थापित है, ऐसा लोगों से सुना जाता है।

**( ग )** इस समय इस नगर में बहुत सारे सुंदर बाग हैं।

**( घ )** इसलिए यह 'बागों का शहर' भी कहा जाता है।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** लखनऊ नगरम् उत्तर प्रदेशस्य राजधानी अस्ति।

**( ख )** इदं एकं प्राचीनं सुन्दरं च नगरम् अस्ति।

**( ग )** लखनऊ नगरे अनेकानि दर्शनीयानि स्थलानि सन्ति।

**( घ )** अत्र आङ्गलशासकै: सह भारतीयानां भयङ्कर: युद्ध: अभवत्।

**( ङ )** लखनऊ विश्वविद्यालय: विद्यायै सुन्दरं प्रसिद्ध: अस्ति।

**4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** व्यचरन् — अस्माकं भारत देशे आङ्गलशासका: आनन्देन **व्यचरन्**।

**( ख )** सोपानम् — राष्ट्रभक्तै: राष्ट्रहिताय स्वत्यागेन एकं **सोपानं** निर्मितम्।

**( ग )** अंगभूत: — उत्तराखण्ड: पूर्वम् उत्तर प्रदेशस्य **अंगभूत:** आसीत्।

**( घ )** वास्तुकला — इमामबाडा भवनम् अवधशासकानां **वास्तुकला** अनुरागं प्रकटयति।

**( ङ )** संचालयन्ति — सचिवाले भवने स्थित्वा राज्याधिकारिण: राज्यकार्यं **संचालयन्ति**।

**सप्तदशः पाठः**

**17**

# बन्धुत्वम्
# (Friendship)

**हिन्दी अनुवाद**

**( एकः न्यायालयः ..... नयन्ति। )**

**अनुवाद**—(एक न्यायालय है, जहाँ न्यायाधीश ऊँचे आसन को सुशोभित करता है अर्थात् उस उच्च आसन पर न्यायाधीश शोभायमान है। उसके सामने सिपाही एक पुरुष को लाते हैं।)

**न्यायाधीश** — तुमने कैसे राजकीय धन का प्रत्यर्पण नहीं किया अर्थात् उस कर को क्यों नहीं लौटाया।

**महमूद** — श्रीमान! क्या कहूँ मेरे पास धन नहीं था, इसलिए धन का लौटाना संभव नहीं हुआ।

**सिपाही** — श्रीमान! यह व्यक्ति घर से भाग गया था, जैसे-तैसे करके हम इसे पकड़ सके।

(न्यायाधीश उस पुरुष को ध्यान से देखता है, आसन से खड़ा होता है, और कमरे में जाता है। न्यायाधीश के आदेश से सिपाही उस पुरुष को उसके पास लाते हैं।)

**न्यायाधीशः ..... नमतः।**

**न्यायाधीश** — मित्र महमूद! कैसे तुम इस प्रकार संकट से ग्रस्त हो?

**महमूद** — सुरेश! आप महान व्यक्ति हैं जो संकट में भी मुझे याद करते हैं।

**सुरेश** — कैसे नहीं याद करता हूँ, तुम मेरे साथ पढ़े हो। तुम अब क्या कर रहे हो?

**महमूद** — मैं तो खेती करता हूँ, खेती में जल की कमी से बहुत हानि हुई, इसलिए मैं राज्य-कर नहीं दे पाया।

**सुरेश** — भाग्य से मैं यहाँ आ गया हूँ, भय मत करना, मैं तुम्हें धन देता हूँ। तुम राजकीय धन (कर) को लौटा दो।

**महमूद** — यह आपकी बड़ी कृपा है, बहुत आभारी हूँ। क्या करूँ, मैं मजबूर इस धन को स्वीकार करता हूँ।

**सुरेश** — हमारा एक प्रिय मित्र था ब्रजेश, वह इस समय कहाँ है?

**महमूद** — वह भी खेती करता है। एक बार वह मुझे मिला था। वह तुम्हें याद करता है।

**सुरेश** — हम दोनों भाई समान हैं, हम दोनों का मिलना कितना सुखद है!

**महमूद** — इस युग में ऐसा व्यवहार अकथनीय है। तुम धन्य हो जो पहले परिचितों से इस प्रकार मिलते हो। दोनों आपस में नमन करते हैं।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- (क)** महमूदस्य मित्रं न्यायाधीशः अस्ति।

**(ख)** महमूदः कृषकः अस्ति।

**(ग)** न्यायाधीशः महमूदम् अकथयत् यत् कथं त्वं राजकीयधनस्य प्रत्यर्पणं न अकरोः।

**(घ)** ह्वयोः मैत्री विद्यालयकाले अभवत्।

**(ङ)** सुरेशः महमूदाय धनं दत्वा मित्रस्य कर्त्तव्यं पूरयन्तः प्रेमपूर्णः व्यवहारः अकरोत्।

**(च)** मित्रैः सदा प्रेमपूर्णः व्यवहारः कर्त्तव्यः विपत्तिकाले च तस्य पूर्णः सहयोगः कुर्यात्।

**2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** इयं भवतां महती कृपा अस्ति।

**(ख)** भवान् धन्यः अस्ति।

**(ग)** भवान् पूर्व परिचितैः सह स्नेहेन मिलति।

**(घ)** सोहनः इदानीं कुत्र गतः?

**(ङ)** न्यायालयस्य समक्षे ते अगच्छन्।

**(च)** न्यायाधीशेन सः तस्मिन् प्रकोष्ठे आहूतः।

**(छ)** अघत्वे एषः व्यवहारः सम्भवः नास्ति।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** यह आपकी बड़ी कृपा है, बहुत आभारी हूँ।

**(ख)** क्या करूँ, मजबूर मैं इस धन को स्वीकार करता हूँ।

**(ग)** आज के युग में ऐसा अथवा यह व्यवहार अकथनीय है, असंभव है।

(घ) तुम धन्य हो, जो पूर्ण परिचितों के साथ स्नेह से मिलते हो।

(ङ) न्यायाधीश के आदेश से सिपाही उस पुरुष को उसके पास ले जाते हैं।

**4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर-** (क) न्यायाधीशः — सः **न्यायाधीशः** उदारहृदयः मधुरभाषी च अस्ति।

(ख) प्रत्यर्पणम् — न्यायाधीशः अवदत् यत् कथं त्वं राजकीयधनस्य **प्रत्यर्पणं** न अकरोः?

(ग) ध्यानेन — सुरेशः **ध्यानेन** सर्वां शिक्षाम् अशिक्षयत् अतः सः न्यायाधीशः अभवत्।

(घ) संकटेन — साम्प्रतं तस्य निर्धनस्य समयः **संकटेन** निर्गच्छति।

(ङ) महापुरुषः — स्वामी विवेकानन्दः एकः **महापुरुषः** आसीत्।

**5. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | अलंकरोति | (ii) | **शोभायमान है** |
| (ख) | संकटापन्नः | (i) | **संकट से ग्रस्त** |
| (ग) | प्रत्यर्पय | (v) | **वापस कर दो** |
| (घ) | आरक्षकाः | (iii) | **बहुत-से सिपाही** |
| (ङ) | यच्छामि | (iv) | **देता हूँ** |

**6. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उच्चासनम् | = | **उच्च** | + | **आसनम्** | न्यायालयः | = | **न्याय** | + | **आलयः** |
| प्रत्यर्पणम् | = | **प्रति** | + | **अर्पणम्** | जलाभावे | = | **जल** | + | **अभावे** |
| न्यायाधीशः | = | **न्याय** | + | **अधीशः** | समागतः | = | **सम** | + | **आगतः** |

अष्टादशः पाठः

**18**

# महाराज्ञी लक्ष्मीबाई
## (Maharani Laxmibai)

**हिन्दी अनुवाद**

**कः ..... अभवत्।**

**अनुवाद**—ऐसा कौन भारतीय है, जो वीरांगना महादेवी लक्ष्मी के संसार में पवित्र नाम को नहीं जानता है? इन्होंने अपने पराक्रम से सभी लोगों को विस्मित कर दिया। इनके जयघोष ने कायरों को भी नए उत्साह से युक्त कर दिया। इसी ने ही यह झूठा सिद्ध किया कि नारी अबला है।

इसी वीरांगना का जन्म महाराष्ट्र राज्य में कृष्णा नदी के किनारे एक गाँव में 1850 ई० में हुआ। बचपन में इनका नाम 'मनुबाई' था। इनके पिता मोरोपंत उस समय पेशवा बाजीराव की सेवा में थे। इनकी माता भागीरथी बाई साध्वी और ईशभक्त नारी थीं। दोनों ने उस प्रिय पुत्री मनुदेवी को स्नेह से पाला। तब बाजीराव कानपुर नगर के समीप स्थित बिठूर नामक स्थान पर रहते थे। मनुदेवी की शिक्षा वहाँ हुई। वहाँ उन्होंने अचिर शस्त्र विद्या पाई। वहाँ उन्होंने निपुणता प्राप्त की। घुड़सवारी में भी मनुबाई बहुत कुशल थी।

**अनन्तरं ..... पञ्चतत्वंगतः।**

**अनुवाद**—कुछ समय बाद झाँसी जनपद के नरेश गंगाधर ने मनुदेवी का पाणिग्रहण कर लिया। अर्थात् उन्होंने उनसे विवाह कर लिया। इसके बाद मनुबाई रानी लक्ष्मीबाई नाम से प्रसिद्ध हुई। विवाह होने के बाद भी उन्होंने घुड़सवारी और शस्त्राभ्यास नहीं छोड़ा। इसी समय अंग्रेज लोग भारत में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश में लग गए। कूटनीति के द्वारा दिन-प्रतिदिन उनका प्रभुत्व बढ़ने लगा।

उसी समय दैवयोग से गंगाधर का इकलौता पुत्र स्वर्ग चला गया अर्थात् मर गया। पुत्र वियोग से संतप्त गंगाधर ने दामोदर नामक एक शिशु को दत्तक पुत्र रूप में स्वीकार कर लिया। कुछ समय बाद गंगाधर भी स्वयं मृत्यु को प्राप्त हो गए।

**अथ ..... अकुर्वन्।**

**अनुवाद**—इस प्रकार पति-पुत्र के वियोग से संतप्त रानी ने धैयपूर्वक राज्य के शासन की बागडोर संभाली। इनके शासन काल में प्रजा ने पूरी तरह सुख का अनुभव किया। किंतु अंग्रेजों के लिए यह असहनीय हो गया। उन्होंने इनके राज्य को उत्तराधिकारहीन घोषित करके अपने हाथ में (अधिकार में) कर लिया और रानी लक्ष्मी के लिए मासिक वेतन स्वीकार कर दिया। अंग्रेज लोगों ने केवल रानी लक्ष्मी पर अपितु और दूसरे लोगों पर भी अत्याचार किए। इसलिए संपूर्ण भारत में यहाँ-वहाँ स्वतंत्रता की आग की चिंगारी प्रकट होने लगी। गुस्साए देशभक्त विदेशियों को अपने देश से बाहर करने के लिए प्रत्यनशील हो गए। रानी लक्ष्मी ने भी अपने वीरों का स्वतंत्रता सैनिकों का नेतृत्व किया। परिणामस्वरूप उनके साथ अंग्रेज सैनिकों का भयंकर युद्ध हुआ। युद्ध में रानी के सैनिकों ने विदेशियों को पराजित किया।

**इदं विलोक्य ..... सञ्जातः।**

**अनुवाद**—यह देखकर कुछ अंग्रेज सैनिकों ने अपनी विशाल सेना को युद्ध के लिए भेजा। इसके बाद भयंकर युद्ध हुआ। रानी स्वयं ही तलवार लेकर युद्धभूमि में उतर गईं। वहाँ घोड़े की लगाम को दाँतों में पकड़कर वे दोनों हाथों से तलवार चलाती हुई शत्रु की तरफ निर्भय प्रवेश कर गई, सिंहवाहिनी दुर्गा के समान उन्होंने सब जगह शत्रुओं को भूमि पर लिटा दिया। उनकी तलवार उस समय बिजली के समान चमक रही थी। उन्होंने जिस-जिस दिशा में दृष्टिपारत किया उसी दिशा में ही उसी क्षण विपक्ष में हाहाकार मच गया।

**किन्तु हन्त! ..... कीर्तिम्।**

**अनुवाद**—किंतु हाय! यद्यपि विदेशियों की सेना असंख्य और रानी की थोड़ी थी। फिर भी रानी लड़ती हुई कोसों दूर काली पहुँच गई। हाय! वे रणभूमि देर तक रहने में पार नहीं पा सकीं। बाद में वे शत्रुओं की गोलियों से अपने को बचाने में समर्थ नहीं हो सकीं और उनसे घायल हो गईं।

इसके बाद वे वहीं वीरगति को प्राप्त हो गई। धन्य हैं वे वीरांगना लक्ष्मीबाई। इस संसार में अधिक देर तक उनकी विमल कीर्ति रहेगी। बहुत दिनों तक स्वतंत्रता प्रेमी उनकी विमल कीर्ति को गाएँगे।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- (क)** मोरोपन्तः पेशवा बाजीरावस्य सेवायाम् आसीत्।

**(ख)** महाराज्ञाः लक्ष्म्याः जन्म महाराष्ट्र राज्ये कृष्णनद्यास्तटे एकस्मिन् ग्रामेऽभवत्।

**(ग)** अस्याः शैशवं कानपुर नगरस्य समीपस्थिते बिठुर नामके स्थाने व्यतीतम्।

**(घ)** मनुदेवी शस्त्रविद्यां बिठूर नामके स्थाने अलभत्।

**(ङ)** यदा मनुदेव्याः विवाहः झाँसी जनपदस्य नरेशगंगाधरेन सह अभवत् तदा लक्ष्मीबाई इति नाम्ना प्रसिद्धा अभवत्।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- (क)** अस्याः वीरांगनायाः जन्म **महाराष्ट्र राज्ये कृष्णानद्यस्तटे** अभूत्।

**(ख)** तत्र सा **अचिरं** शस्त्रविद्यां च अलभत्।

**(ग)** दैवयोगात् गंगाधरस्य एकलः पुत्रः **स्वर्गं** गतः।

**(घ)** आंग्लजनाः अन्येष्वपि जनेषु **अत्याचारान्** अकुर्वन्।

**(ङ)** क्रुद्धाः आंग्लशासकाः स्वकीयं **विशालं सैन्यं यौद्धुं** तत्र प्रैषयन्।

**3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- (क)** राज्ञाः लक्ष्म्याः जन्म महाराष्ट्रे अभवत्। **(ख)** तस्याः शैशवं बिठूरे व्यतीतम्।

(ग) बिटूरे तया अस्त्रशस्त्रचालनम् अशिक्षत्। (घ) राज्ञा: राज्यं आंग्लै: स्वहस्तगतं कृतम्।
(ङ) राज्ञा आंग्लानां विरुद्धे वीरतापूर्वकं युद्धम् अकरोत्।

**4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर-** (क) वह वीरांगना महारानी लक्ष्मी धन्य हैं। (ख) बचपन में इनका नाम 'मनुबाई' था।
(ग) उन्होंने वहाँ निपुणता प्राप्त की। (घ) नरेशगंगाधर ने मनुदेवी का पाणिग्रहण किया।
(ङ) इसके बाद वे वहीं वीरगति को प्राप्त हुईं।

**5. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-**

| | |
|---|---|
| (क) गृह | **(ii) भवन** |
| (ख) पावनम् | **(iii) पवित्र** |
| (ग) नक्षत्रम् | **(i) तारा** |
| (घ) अचिरम् | **(v) शीघ्र** |
| (ङ) नैपुण्यम् | **(iv) कुशलता** |

नवदशः पाठः

**19**

# श्रवणः कुमारः
## (Shravan Kumar)

**हिन्दी अनुवाद**

**श्रवण कुमारः ..... इहागतः।**

**श्रवण कुमार** — हाय माता! हाय पिता! किसने मुझ निर्दोष को मारने के लिए बाण फेंका। (आर्त्तनाद करता है।)

**दशरथ** — (आर्त्तनाद सुनकर जलाशय के पास जाते हैं, घायल बालक को देखकर)—ओह! बहुत बुरा हो गया अरे, कौन हो तुम? कहाँ से आए हो?

**श्रवण कुमार** — मैं एक दरिद्र पथिक हूँ। अपने माता-पिता के लिए जल लाने के लिए आया था।

**दशरथ** — तुम्हारे माता-पिता कहाँ है? यहाँ क्यों आए हैं?

**श्रवण कुमार** — मेरे माता-पिता बहुत बूढ़े हैं और वे दोनों आँखों से अंधे हैं। मैं उन दोनों को कंधों पर तीर्थ स्थानों को ले जा रहा हूँ। वे दोनों प्यासे हैं, उन दोनों के लिए ही मैं जल लेने यहाँ आया हूँ।

**दशरथः ..... तौ मृताः।**

**दशरथ** — हाय! बड़ा कष्ट है! मैं स्वयं ही जाकर उन दोनों को जल दूँगा।

**श्रवण कुमार** — जाइए श्रीमन्! शीघ्र जाओ, मेरे माता-पिता प्यासे हैं। वहाँ जाकर उन दोनों को पानी पिलाओ। मेरी छाती से इस बाण को निकालो।
(दशरथ उस बाण को दूर करता है, उसी क्षण श्रवण कुमार प्राणों को छोड़ता है।)
(उसके बाद दशरथ श्रवण कुमार के वचनानुसार कमण्डल लेकर उसके माता-पिता के पास जाते हैं।)

**वृद्ध** — (दशरथ के पैरों की आवाज सुनकर) बेटे श्रवण! तुम देर से क्यों आए हो?
(दशरथ कुछ भी नहीं कहते हैं, चुप रहते हैं) कौन हो तुम? क्यों नहीं बोलते हो?

**दशरथ** — क्षमा करें! मैं दशरथ नाम का कौशल का राजा हूँ। अज्ञानता से मैंने बड़ा अपराध किया है।

**वृद्ध** — क्या अपराध?

**दशरथ** — मैंने आखेट के लिए जलाशय में घड़े के शब्द को सुनकर सोचा कि कोई जंगली भैंसा वहाँ है। इसलिए उसके वध के लिए मैंने शब्दभेदी बाण छोड़ा। इस प्रकार तुम्हारा निर्दोष पुत्र मैंने मारा। हाय! मैं मंदभाग क्या करूँ? (दोनों बूढ़ा-बुढ़िया अपने पुत्र के मरण को जानकर दु:खी हो गए। उसके बाद वृद्ध पिता दशरथ को शाप देता है।)

**वृद्ध** — "जिस प्रकार मैं पुत्रशोक से मृत्यु को प्राप्त हो रहा हूँ, वैसे ही तुम भी मृत्यु को प्राप्त होओगे।" इसके बाद वे दोनों मर गए।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**–(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** श्रवण कुमारं हन्तुं राजा दशरथ: बाणम् अक्षिपत्।

**( ख )** आर्त्तनादं श्रुत्वा दशरथ: जलाशयं प्रति अगच्छत्।

**( ग )** श्रवण कुमार: दशरथम् अकथयत् यत् शीघ्रं गच्छतु। मम पितरौ पिपासितौ स्त:, तत्र गत्वा तौ जलं पाययतु। मम हृदयात् च इमं शल्यं निस्सारयतु।

**( घ )** श्रवण कुमारस्य वृत्ते श्रुत्वा दशरथ: कमण्डले जलमादाय तस्य पित्रो: समीपे गच्छति।

**( ङ )** श्रवणस्य पितरौ प्रति दशरथ: अकथयत् यत् अज्ञानात् मया महान् अपराध: कृत: मम बाणात् तव निर्दोष: पुत्र: हत:।

**( च )** श्रवणस्य पिता दशरथ: अशपत् यत् यथाहं पुत्रशोकेन मृत्युमुपगच्छामि तथैव त्वमपि मृत्युं प्राप्स्यसि।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** स्वपित्रो: कृते **जलम्** आनेतुम् आगत:। **( ख )** अहं स्वयमेव तत्र गत्वा **ताभ्यां** जलं दास्यामि।

**( ग )** क्षम्यताम् अहं **दशरथो** नाम कोसलाधिप:। **( घ )** अज्ञानात् मया महान् **अपराध:** कृत:।

**( ङ )** अहम् आखेटाय जलाशयम् **अगच्छम्**।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** मेरे माता-पिता बहुत बूढ़े हैं और वे दोनों आँखों से अंधे हैं।

**( ख )** मैं उन दोनों को कंधों पर तीर्थस्थानों को ले जाता हूँ।

**( ग )** मैं स्वयं ही वहाँ जाकर उन दोनों को जल दूँगा।

**( घ )** और मेरे हृदय से यह बाण निकालो।

**( ङ )** अज्ञानता से मैंने बड़ा अपराध किया है।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** मां निर्दोषं हन्तुं क: बाणम् अत्यजत्। **( ख )** अहम् एक: दरिद्र: पथिक: अस्मि।

**( ग )** मम पितरौ नेत्रहीनौ स्त:। **( घ )** अहं तौ स्कन्धाभ्यां तीर्थ स्थानानि नयामि।

**( ङ )** मम पितरौ पिपासितौ स्त:। **( च )** भवान् गत्वा ताभ्यां जलं यच्छतु।

**5. निम्नलिखित में संधि कीजिए-**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अत्र | + | आगत: | = | **अत्रागत:** | तव | + | इदम् | = | **तवेदम्** |
| वचन | + | अनुसारम् | = | **वचनानुसारम्** | तव | + | औदार्यम् | = | **तवौदार्यम्** |
| तस्य | + | उत्सव: | = | **तस्योत्सव:** | महा | + | उत्सव: | = | **महोत्सव:** |
| तद् | + | जलम् | = | **तज्जलम्** | क: | + | अपि | = | **कोऽपि** |

**6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** निर्दोष: = राजा दशरथेन **निर्दोष**: श्रवण कुमार: हत:।

**( ख )** अक्षिपत् = एतद् बाणं क: **अक्षिपत्?**

**( ग )** तस्या: = तस्या: स्त्र्या: **आर्त्तनाद:** सर्वेषां जनानां हृदयं विदीर्यते स्म।

**( घ )** दुष्कृतम् = ओह! महत् **दुष्कृतं** जातम्। अधुना: किं करवाणि?

**( ङ )** पिपासितौ = तत्र द्वौ भिक्षुकौ **पिपासितौ** स्त:, गत्वा तौ जलं पाययतु।

**( च )** आखेटाय = राजा दशरथ: वने **आखेटाय** आगच्छति।

विंशतिः पाठः

**20**

# कश्मीर-सुषमा
## (Kashmir Beauty)

**हिन्दी अनुवाद**

**इदं चित्रं ........................................................................................................................ आभाति।**

**अनुवाद**— यह चित्र देखो। इस चित्र में एक बालक नाव चलता है। वह रफीक है। उसकी नाव विचित्र फूलों से परिपूर्ण है। रफीक उन फूलों को बेचने के लिए जाता है। वह श्रीनगर में रहता है। श्रीनगर कश्मीर राज्य की राजधानी है। कश्मीर राज्य भारत देश का मुकुटमणि कहा जाता है। यह प्रदेश बहुत ही सुंदर और मनोहर है।

श्रीनगर झेलम नदी के दोनों और स्थित है। नगर के चारों ओर पर्वतमाला दूर तक सुशोभित है। इन पर्वतमालाओं में शंकराचार्य नामक शिखर भी बहुत प्रसिद्ध है। इसके शिखर से नगर की सुंदरता मनोरम और आँखों के लिए लाभकारी होती है।

**कश्मीरभूमिः ........................................................................................................... आमोदयति।**

**अनुवाद**—कश्मीर की भूमि मनोरम तालाबों, बागों और सरोवरों का प्रदेश है। श्रीनगर का सुंदर सरोवर डल नाम का है। वहाँ खिले कमल के फूल लोगों के हृदयों को आकर्षित करते हैं। कश्मीर राज्य में जलाशयों में भी खेती होती है। डल सरोवर (झील) के पास एक सुंदर निशात नाम का बाग है और दूसरा शालीमार नाम का रमणीय बाग है। यहाँ पर्वत की चोटियों से निकले झरनों के और जल प्रपातों के कलनाद दर्शकों और पर्यटकों के मन को हरते हैं। हरी घास से ढकी भूमि विचित्र फूलों और फलों से आच्छादित पेड़ इस प्रदेश की शोभा को रमणीय करते हैं। केसर की खेती इस प्रदेश की एक बड़ी विशेषता है। केसर के फूलों की मनोहर सुगंध लोगों के मन को प्रसन्न करती है।

**पुरा ...................................................................................................................................... इति।**

**अनुवाद**—प्राचीन काल में कश्मीर राज्य में बहुत-से प्रसिद्ध कवि, कला कुशल लोग और शिल्पी हुए। अब भी यह एक राज्य कला का केंद्र है। यहाँ प्रतिवर्ष हजारों पर्यटक सुदूर प्रदेशों से इसके सौंदर्य को देखने के लिए आते हैं। नूरजहाँ इसके सौंदर्य को देखकर अचानक ही कह उठती थी—

**''यदि स्वर्ग इस पृथ्वी पर कहीं पर है तो निश्चित ही यहीं है।''**

## अभ्यासकण्ठी

**मौखिक**

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

**लिखित**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर–** **(क)** रफीक: श्रीनगरे निवसति।
**(ख)** श्रीनगरं कश्मीर राज्यस्य राजधानी अस्ति।
**(ग)** कश्मीर प्रदेश: परमरमणीय: मनोहरश्च अस्ति।
**(घ)** निशात नामकम् उद्यानम् अपरं च शालीमार नामक उद्यानं परम रमणीयम् अस्ति।
**(ङ)** नूरजहाँ कश्मीर-सुषमां विलोक्य अकथयत् यत् यदि खलमे स्वर्गोऽस्ति तु नूनमत्रैव अस्ति।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर–** **(क)** श्रीनगरस्य सुन्दर: सरोवर: **डलनामकः** अस्ति।
**(ख)** तत्र **विकसितानि** कमलकुसुमानि जनानां हृदयानि आकर्षन्ति।
**(ग)** श्रीनगरं **झेलम्** नदीम् उभयत: स्थितम् अस्ति।
**(घ)** अयं प्रदेश: **परमरमणीयः** मनोहरश्च अस्ति।
**(ङ)** तस्य नौका **विचित्रैः** पुष्पै: परिपूर्णा अस्ति।

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** **( क )** एषा नौका विचित्रैः पुष्पैः परिपूर्णा अस्ति। **( ख )** श्रीनगरे अनेकाः निर्झराः सरोवराश्च सन्ति।
**( ग )** श्रीनगरं झेलम नदीम् उभयतः स्थितम् अस्ति। **( घ )** डल श्रीनगरस्य परमसुन्दरः सरोवरः अस्ति।
**( ङ )** कश्मीरभूमिः पर्यटकानां मनांसि हरति।

4. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

**उत्तर–** **( क )** नगर के चारों ओर पर्वतमाला दूर तक शोभित है। **( ख )** कश्मीर राज्य में जलाशयों में भी खेती होती है।
**( ग )** केसर की खेती इस प्रदेश की एक बड़ी विशेषता है। **( घ )** अब भी यह राज्य कला का केंद्र है।
**( ङ )** यदि इस पृथ्वी पर स्वर्ग कहीं है तो निश्चित ही यहीं पर है, यहीं है।

5. **निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–**

नदीमुभयतः = **नदीम्** + **उभयतः**
सुन्दरमेकमुद्यानम् = **सुन्दरम्** + **एकम्** + **उद्यानम्**
चित्रमिदम् = **चित्रम्** + **इदम्**
परमरमणीयः = **परम** + **रमणीयः**

6. **निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

**उत्तर–** **( क )** पर्यटकाः = कश्मीर राज्यस्य शोभां द्रष्टुं **पर्यटकाः** सुदूरेभ्यः देशेभ्यः आगच्छन्ति।
**( ख )** विक्रेतुम् = सः बालकः विचित्राणि पुष्पाणि नौकायां स्थापित्वा **विक्रेतुं** नयति।
**( ग )** शैलमालाः = अत्रत्याः **शैलमालाः** सुदूरं परिदृश्यन्ते।
**( घ )** सौन्दर्यम् = निशात नामकस्य उद्यानस्य **सौन्दर्यं** जनानां मनांसि हरति।
**( ङ )** उद्यानम् = शालीमार नामकम् **उद्यानं** बहूप्रसिद्धम् अस्ति।
**( च )** प्रपातः = पर्वतशिखरात् निर्गतः जलस्य **प्रपातः** अपि मनः हरति।

7. **'कश्मीर' पर कोई पाँच वाक्य लिखिए–**

**( क )** भारतदेश अस्ति कश्मीर नामकः प्रदेशः।
**( ख )** कश्मीर राज्यस्य राजधानी श्रीनगरम् अस्ति।
**( ग )** कश्मीरभूमौ स्थिताः सरोवराः उद्यानादमः पर्यटकानां मनांसि हरन्ति।
**( घ** कश्मीरभूमौ केसरकृषिः अपि भवति, या अस्य प्रदेशस्य महती विशेषता अस्ति।
**( ङ )** यदि भूतले स्वर्गः अस्ति चेत् अस्यां भूमौ एव अस्ति।

**एकविंशतिः पाठः**

**21**

# चतुरः शशकः (Clever Rabbit)

**हिन्दी अनुवाद**

**अथ कदाचित् ............................................................ अभवत्।**

**अनुवाद**—कभी किसी समय मन्दार नामक पर्वत पर दुर्दान्त नामक शेर रहता था। वह रोज असंख्य पशुओं का वध करता था। इससे अपनी जाति का विनाश होते देखकर सभी पशु मिलकर शेर के पास गए और उससे निवेदन किया— ''महाराज! इस प्रकार पशुओं को मारने से क्या लाभ? आप प्रसन्न हों। रोज एक पशु आपके भोजन के लिए स्वयं ही आएगा।'' शेर ने उन्हें बोला, ''ऐसा ही हो।''

तब से लेकर रोज स्वयं ही एक पशु शेर के पास जाता था। शेर उसे प्रेम से खाता था। कुछ समय बाद एक बूढ़े खरगोश की बारी आई। उसने सोचा, 'यद्यपि इस समय जीवन बचाना कठिन है, फिर भी डर से रक्षा करने के लिए कोशिश करनी चाहिए। इस प्रकार अपनी बुद्धि से उपाय सोचकर वह खरगोश धीरे-धीरे चलकर बहुत देर करके शेर के आगे उपस्थित हुआ।

**तस्य विलम्बेन ............................................................ इति।**

**अनुवाद**—उसकी देरी के कारण शेर बहुत गुस्सा हुआ बैठा था। उसने खरगोश से देर से आने का कारण पूछा। खरगोश ने

कहा, ''महाराज! यहाँ मेरी कोई गलती नहीं है। रास्ते में एक दूसरे शेर ने मुझे देखकर कहा, अरे खरगोश! तुम कहाँ जा रहे हो? यही रहो, और भोजन बनो।'' तब मैंने कहा, ''मैं इस वन के स्वामी दुर्दान्त के पास जा रहा हूँ।'' यह सुनकर शेर ने कहा—रे धूर्त! मैं ही इस वन का स्वामी हूँ, दूसरा और कोई नहीं। तुम यहीं ठहरो। स्वामी! तब मैं फिर आने के लिए कसम खाकर यहाँ आया हूँ।''

**अथ दुर्दान्तः ..... कुतो बलम्?**

**अनुवाद**—इस तरह दुर्दान्त बहुत गुस्से से गरजा और कहा, ''कहाँ रहता है वह ठग? मुझे जल्दी उसे दिखा, जिससे मैं उसे क्षण में ही मार डालूँगा।''

इसके बाद खरगोश उस शेर को एक गहरे कुएँ के पास ले गया। कुएँ के ऊपर जाकर वह शेर से बोला, ''देव! डरकर वह दुष्ट इस कुएँ में छुपकर रहता है।'' शेर ने वहाँ जाकर कुएँ में अपनी छाया को देखा, और उसे दूसरा शेर मानकर मारने के लिए कुएँ में कूद गया, और मृत्यु को प्राप्त हो गया। इस प्रकार बुद्धिबल से उस खरगोश ने ताकतवर शेर को भी गिरा दिया (हरा दिया।)'' इसलिए ठीक कहा है—

''जिसके पास बुद्धि है, बल भी उसका, ही है, बुद्धिहीन में ताकत कहाँ? अर्थात् ताकत होते हुए भी बलहीन है।''

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर- ( क )** पशवः सिंहम् अकथयन् यत् एवं पशुघातने कः लाभः? प्रसीदतु भवान्। एकः पशुः प्रतिदिनं स्वयमेव भवतः आहाराय आगमिष्यति।

**( ख )** सिंहः तान् अवदत् यत् एकमेव भवतु।

**( ग )** वृद्धः शशकः मार्गे अचिन्तयत् यत् इदानीं जीवनं रक्षणं दुष्करम् तथापि भयात् त्राणाय किमपि यत्नः तु करणीयः एव।

**( घ )** सिंहः अतः कुपितः अभवत् यतोहि वृद्धः शशकः विलम्बेन आगतः।

**( ङ )** शशकः तं सिंहं स्वकल्पनया अन्यस्य सिंहस्य विषये उक्तवान् यत् एकः अन्यः सिंहः अस्य वनस्य राजा स्वयं मन्यते, नान्यः कश्चित्। एतद् श्रुत्वा दुर्दान्तः तेन सह कूपे अगच्छत्।

**2. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** सः नित्यम् असंख्यानां पशूनां वधम् **अकरोत्**।

**( ख )** सर्वे पशवः मिलित्वा सिंहस्य समीपम् **अगच्छन।**

**( ग )** अनेन **पशुघातेन** कः लाभः?

**( घ )** एकः पशुः भवतः **आहाराय** स्वयमेव आगमिष्यति।

**( ङ )** **भयात्** त्राणाय यत्नः कर्त्तव्यः।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—इसके बाद खरगोश उस शेर को एक गहरे कुएँ के पास ले गया। कुएँ के ऊपर जाकर वह शेर से बोला, ''देव! डरकर वह दुष्ट इस कुएँ में छुपकर रहता है। शेर ने वहाँ जाकर कुएँ में अपनी छाया को देखा, और उसे दूसरा शेर मानकर मारने के लिए कुएँ में कूद गया, और मृत्यु को प्राप्त हो गया। इस प्रकार बुद्धिबल से उस खरगोश ने ताकतवर शेर को भी गिरा दिया। (हरा दिया)।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** सिंहः कूपे गत्वा अपश्यत्। **( ख )** शशकः दृष्ट्वा अकथयत्।

**( ग )** दुर्दान्तः प्रतिबिम्बं अन्यः सिंहः मत्वा कूपे कूर्दितः। **( घ )** एते बालकाः पत्रं लिखित्वा पुस्तकं पठिष्यन्ति।

**( ङ )** शशक: प्रणम्य सिंहम् अकथयत्। **( च )** अहं विलम्ब्य गमिष्यामि।

**5. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आहाराय | = | **आहार** | + | **आय** | पुनरागमनाय | = | **पुनः** + | **आगमनाम** |
| पशुघातेन | = | **पशु** | + | **घातेन** | स्वमत्या | = | **स्व** + | **मत्या** |
| त्वमत्रैव | = | **त्वम्** | + | **अत्रेव** | गंभीरकूपम् | = | **गंभीर** + | **कूपम्** |

**6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर- ( क )** मिलित्वा = सर्वे पशव: **मिलित्वा** वनराजस्य समीपे गच्छन्ति।

**( ख )** प्रसीदतु = स्वक्रोधं त्याज्य अधुना **प्रसीदतु** भवान्।

**( ग )** त्राणाय = आतंकवादिभ्य: **त्राणाय** कोऽपि प्रयत्न: अवश्यमेव करणीय:।

**( घ )** क्षणादेव = अहं तं दुष्टं **क्षणादेव** हनिष्यामि।

**( ङ )** निलीन: = अरे धूर्त! कुत्र गत्वा **निलीन:**? बहिआर्गच्छ।

**द्विविंशतिः पाठः**

**22**

# चंद्रलोक-यात्रा
## (Chandralok–Travel)

**हिन्दी अनुवाद**

**आसीत् ..... अभवम्।**

**अनुवाद**—यह शरत पूर्णिमा की रात थी। सफेद चाँदनी सब जगह विराजमान थी। चाँदनी में रात की सुंदरता और अधिक रमणीय हो गई। ऐसे समय में मैं ताजमहल भवन की अपूर्व सुंदरता देखने के लिए घर से गया। चाँदनी में उस भवन के सौंदर्य को देखकर मैंने बहुत आनंद महसूस किया। सुंदरता से मोहित होकर मैं यमुना किनारे एक स्थान पर बैठ गया और यह सोचा—''अहो! जिस चंद्रमा की ऐसी चाँदनी है वह स्वयं कैसा हो (होगा)? पश्चिम देशों के वैज्ञानिक वहाँ बहुत बार गए। यदि मैं भी वहाँ जाऊँ।'' इस प्रकार सोचते हुए मैं अपने आपको भूल गया और विचारों में मग्न हो गया।

**सहसा ..... अन्वगच्छम्।**

**अनुवाद**—अचानक मैंने देखा कि एक यक्ष मेरे सामने आ गया। उसने मुझसे पूछा—''बालक! तुम क्या चाहते हो?'' मैंने कहा, ''मैं चंद्रलोक जाना चाहता हूँ।'' यक्ष ने कहा, ''यह कठिन नहीं है। मैं तुम्हें शीघ्र ही अपने यान से उस लोक को ले जाता हूँ।'' मेरे पीछे आओ, किंतु जैसा मैं समझाता हूँ, तुम वैसा ही करना। तब मैं शिष्य के समान उसके पीछे गया।

**तस्य यक्षस्य ..... रूपम्।**

**अनुवाद**—उस यक्ष का यान विचित्र रंगों से बना था। यक्ष ने मुझे विचित्र वस्त्र दिया। उन्हें पहनकर उसके साथ ही मैं यान में चढ़ा। साँस ग्रहण करने के लिए वहाँ प्राण वायुनलिका थी। यक्ष के साथ मेरी यात्रा सुखद हुई। किंतु कभी-कभी भयंकर शब्दों को सुनकर मेरा हृदय काँप जाता था। कुछ ही क्षणों में वह यान अंतरिक्ष में उड़ गया। जब मैंने अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखा तब पृथ्वी का स्वरूप चंद्रमा के समान चमक रहा था।

मेरा हृदय चंद्रलोक के दर्शन के लिए उत्सुक था। अचानक यक्ष बोला, ''प्रिय बालक! हमारा यान अब चंद्रलोक के तल पर उतर गया है। अब हम यान से बाहर जाते हैं और चंद्रलोक के रमणीय रूप को देखते हैं।''

**अहं ..... ज्ञास्यन्ति इति।**

**अनुवाद**—मैं चंद्रलोक का सौंदर्य देखकर आश्चर्यचकित हो गया। मैंने वहाँ बहुत सारे विविध पत्थरों को, आसमान चंद्रतल को, कठोर और काले रजकणों (धूल) को देखा। एक विशाल पत्थर को लेकर यक्ष ने मुझे पूछा, ''क्या तुम इस पत्थर को कन्धे से ढोने में समर्थ हो?'' मैं बोला, ''नहीं, नहीं श्रीमन्! यह तो बहुत भारी होगा, इस भार से मैं चूरा हो जाऊँगा।''

यक्ष बोला, ''तुम नहीं जानते इस लोक में द्रव्यों का भार पृथ्वी के द्रव्यों का छटा अंश ही होता है। क्योंकि इस लोक की आकर्षण शक्ति भी पृथ्वी की आकर्षण शक्ति से छटा अंश ही है। यहाँ वायुमंडल भी नहीं है। इसलिए हम ऑक्सीजन की पेटी लेकर ही यहाँ आते हैं। तुम इस संदूक को पकड़ो। इसमें तुम पत्थर के टुकड़ों और धूल-कणों को इकट्ठा करो। इनमें

ही तुम्हारे लोक के वैज्ञानिक इनके रहस्यों को जानेंगे।''

**यदाहं ..... आसीत्।**

**अनुवाद**—जब मैं पत्थर के टुकड़ों को इकट्ठा करने में लगा हुआ था, तभी यक्ष अचानक यान में चढ़कर चल दिया। यान की आवाज सुनकर मैं जोर से रोया, चिल्लाया, ''हे यक्ष! हे यक्ष!'' मेरा रोना सुनकर अनेक पर्यटक मेरे पास आए। उन्होंने मुझे पूछा, ''आप क्यों ऐसे रो रहे थे?'' तब मैंने जाना कि मैं यमुना के किनारे ही बैठा हूँ। चंद्रलोक की यात्रा तो सपना ही थी।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** यदा चन्द्रिकायां रात्रे: सुषमा रमणीयतरा जाता तदा बालक: ताजमहल भवनं द्रष्टुं गत:।

**( ख )** तत्र स: चन्द्रिकायां भवनस्य सौन्दर्यम् अपश्यत्।

**( ग )** धवलां चन्द्रिकां दृष्ट्वा स: ऐच्छत् यत् अहो! यस्य चन्द्रस्य ईदृशी चन्द्रिका स: स्वयं कीदृश: भवेत्? अत: स: चन्द्रलोकं गन्तुम् इच्छति।

**( घ )** यक्ष: तम् अपृच्छत् यत् भो बालक! त्वं किं वाञ्छसि?

**( ङ )** अंतरिक्षात् भूलोकस्य स्वरूपं चन्द्र इव अभासत्।

**( च )** चन्द्रतलं गत्वा बालक: प्रस्तरखण्डानां रज: कणानां च संचय: अकरोत्।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** धवला **चन्द्रिका** सर्वत्र विराजते स्म। **( ख )** एक: **यक्ष:** ममाग्रे समागत:।

**( ग )** अहं **चन्द्रलोकं** गन्तुम् इच्छामि। **( घ )** यक्षस्य **यानं** विचित्रै: यन्त्रै: निर्मितम् आसीत्।

**3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-**

**अनुवाद**—यह शरत पूर्णिमा की रात थी। सफेद चाँदनी सब जगह विराजमान थी। चाँदनी में रात की सुंदरता और अधिक रमणीय हो गई। ऐसे समय में मैं ताजमहल भवन की अपूर्व सुंदरता देखने के लिए घर से गया। चाँदनी में उस भवन का सौंदर्य को देखकर मैंने बहुत आनंद महसूस किया।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** इयं शरत् पूर्णिमाया: रात्रि: आसीत्। **( ख )** रात्रौ चन्द्रमस: श्वेतचन्द्रिका विराजते स्म।

**( ग )** सहसा एक: यक्ष: मम पार्श्वे आगत:। **( घ )** अहं तेन सह चन्द्रलोके अगच्छम्।

**( ङ )** तत्र वस्तूनां भार: अत्यल्प: आसीत्।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** सौन्दर्यम् = पूर्णचन्द्रस्य चन्द्रिकायां ताजमहलभवनस्य **सौन्दर्यम्** अतीव रमणीयं भवति।

**( ख )** दुष्करम् = तत्र गमने नाति **दुष्करं**, चल शीघ्रं चलाव:।

**( ग )** मंजूषा = चन्द्रलोके यक्षेण तस्मै बालकाय प्रस्तर, खण्डान् संचयितुम् एका **मंजूषा** प्रदत्ता।

**( घ )** अन्वभवम् = यदा मया ताजमहलभवनं दृष्टम् अहं बहु आनन्दम् **अन्वभवम्**।

**( ङ )** उपदिशामि = अहं त्वां प्रतिदिनम् **उपदिशामियत्** दुष्कार्याणि त्यज।

**6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शरत्पूर्णिमाया: | = | **शरत्** | + | **पूर्णिमाया:** |
| वैज्ञानिका: | = | **विज्ञान** | + | **इका:** |
| रमणीयतरा | = | **रमणीय** | + | **तरा** |
| त्वरितमेव | = | **त्वरितम्** | + | **एव** |

त्रयविंशतिः पाठः

# 23

# क्षत्रियस्य कूपः
# (Well of Kshatriya)

**हिन्दी अनुवाद**

(यह कथा प्रेमचंद महोदय की कथा से सारूप अनुदित है।)

**जोखूः ..... दास्यति।**

**जोखू** — क्या यह पानी चाहिए? इसमें दुर्गंध है। अब क्या पीऊँ? प्यास से बहुत ही बेचैन हूँ मैं।

**गंगा** — दु:ख है! दु:ख! क्या करना चाहिए?
मैं यह जल कल तालाब से लेकर आई। इसलिए इस जल में दुर्गंध है। क्षत्रिय (राजपूत) का कुआँ पास ही है। मैं तो शूद्र हूँ। कुएँ से कैसे जल लाऊँ!

**जोखू** — हाय! अब तो प्यास से बहुत ही बेचैन हूँ। जीवन भी धारण नहीं कर सकता हूँ। लाओ वही जल, किसी तरह सूँघना छोड़कर कुछ (जल) पीता हूँ।

**गंगा** — नहीं, नहीं, मैं यह जल नहीं दूँगी। यह तो बहुत ही खराब है। दूसरा लाऊँगी।

**जोखू** — तो किस स्थान से जल लाओगी?

**गंगा** — सोचो मत! क्षत्रिय के कुएँ पर ही जाती हूँ। सोचती हूँ वह अनुमति देगा।

**जोखूः ..... संलपतः**

**जोखू** — तुम्हारी बुद्धि कहाँ गई? क्या वहाँ तुम्हारे अंग सुरक्षित होंगे? क्षत्रिय के परिवार वाले तुम्हें डंडे से मारेंगे। आज कौन गरीब के दु:ख को सोचता है? वहाँ मत जाओ, हम शूद्र हैं (गंगा स्तब्ध खड़ी रहती है।) दिन समाप्त होने पर अंधेरे में गंगा धीरे-धीरे क्षत्रिय के कुएँ को जाती है। वह दूर से देखती है। कि क्षत्रिय के लोग बातचीत करते हुए उसकी समाज-सेवा की प्रशंसा कर रहे हैं।
गंगा गूँगे के समान दूर रहती है, समय बिताती है। वह सोचती है—गाँव में यही कुआँ है। यहाँ से सभी लोग पानी लेते हैं। मैं शूद्र हूँ। मैं यहाँ से पानी ले जाने में समर्थ नहीं हूँ। केवल उच्च जाति के यहाँ से जल ले जाते हैं। ये उच्च जाति के हैं क्योंकि ये यज्ञोपवीत (जनेऊ) पहनते हैं। वैसे हम नहीं, यह कार्य निदंनीय है।
यह क्षत्रिय मदिरा (शराब) पीते हुए अपशब्द (गाली) बोलता है। वह गरीबों का धन छीनता है फिर भी वह उच्च जाति का है। यह ब्राह्मण है। इसके घर में रोज जुआ खेला जाता है। यहीं पर वह बनिया है, जो काम करके पैसा नहीं देता है। फिर भी ये सब उच्च जाति के हैं। हम गरीब हैं। हम धर्म का आचरण करते हैं, अधर्म से डरते हैं फिर भी हम अछूत हैं, शूद्र हैं। उसी क्षण दो स्त्रियाँ जल लेने के लिए आईं। वे आपस में बातचीत करती हैं—

**प्रथमा .....पिबति।**

**पहली** — खाने के लिए आया (उसके मालिक का) और आदेश हुआ कि इसी समय कुएँ से जल लेकर आ।

**दूसरी** — हमें घर में रहती देखकर पुरुष द्रोह करते हैं।

**पहली** — हाँ, ऐसा ही है। यह नहीं किया कि स्वयं घड़ा उठाकर जल ले आए। आदेश देता है जल ला, जल ला क्या मैं दासी हूँ।

**दूसरी** — दासी तो हो ही। अन्न और कपड़ा तुझे नहीं मिलता है। कुछ द्रव्य भी दिया जाता है। फिर दासी कौन होगी?

**पहली** — बहन मुझे मत जलाओ। थोड़ा-सा भी विश्राम करने के लिए अवसर नहीं मिलता है। मेरा मन निरंतर दु:खता है। इतना कार्य मैंने किसी और के घर में किया होता तो मुझे बहुत ही सत्कार मिलता।
(इस प्रकार वे दोनों भी बात करती हुईं पानी लेकर चली गईं।)
इसके बाद क्षत्रिय के दरवाजे से लोग अपने घर जाते हैं। धीरे-धीरे गंगा साहस करती हुई कुएँ पर चढ़ती है। वह किसी तरह देवों को प्रणाम करके घड़े को नीचे छोड़ती है। जब तक घड़ा पानी में डूबता है वह ध्वनि को शांत-सी करती हुई घड़े को तेजी से खींचती है। किंतु हाय कष्ट! तभी क्षत्रिय दरवाजा खोलता है। दरवाजा खुलने पर डरी हुई गंगा के हाथ रस्सी छूट जाती है। घड़ा तेजी से कुएँ में गिरता है। बड़े जोर से शब्द होता है

क्षत्रिय बोलता है, ''अरे कौन, कौन है यहाँ?'' ऐसा कहते हुए आता है। गंगा तेजी से दौड़ती है और हताश होकर घर को लौट आती है। वह देखती है कि जोखू वही गंदा जल पी रहा है।

## अभ्यासकण्ठी

### मौखिक

**उत्तर**—(छात्र स्वयं करें।)

### लिखित

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** क्षत्रियस्य कूप: इति कथा प्रेमचन्द महोदयेन लिखिता।

**( ख )** गंगा क्षत्रियस्य कूपात् जलमानेतुं गता।

**( ग )** तत: परम् एतत् जातं यद्-यदा सा कूपे जलं नेतुं घटं तस्मिन् पातयति अन्यच्च घटं वेगेन आकर्षति तदैव क्षत्रिय: द्वारमुद्घाटयति। द्वारोद्घाटनेन भीताया: गंगाया: हस्तात् घट: तस्मिन् कूपे निपतति, वेगेन च शब्द: भवति। यावत् क्षत्रिय: तत्र आगच्छति सा पलायते गृहे च आगच्छति जोखूं मलिनं जलं पिबन् पश्यति।

**( घ )** **प्रथमा** — भोक्तुमागत: (भर्त्ता) आदेश: जात: यत् इदानीमेव कूपात् जलमानय।

**द्वितीया** — अस्मान् तिष्ठति विलोक्य पुरुषा: द्रुह्यन्ति।

**प्रथमा** — आम् इति। इदं न कृतं यत् स्वयमेव कलशमुत्थाय जलमानयेत्। आदिशति 'जलमानय, जलमानय इति' किमहं दासी?

**द्वितीया** — दासी तु असि एव। अन्नं वस्त्रं च तुभ्यं न लभते किंचित् द्रव्यमपि आदीयते। तर्हि दासी का भविष्यति?

**प्रथमा** — मा तापय भगिनिके। स्वल्पोऽपि विश्रामावसर: न लभते, मनो मे सततं दूयते। एतावत् कार्यं मया अन्यस्य गृहे कृतं स्यात् तर्हि सोऽतीव सत्कारं कुर्यात्।

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** अस्मिन् **दुर्गन्ध:** वर्तते। **( ख )** तत: कस्मात् **स्थानात्** जलं आनेष्यसि?

**( ग )** गंगा **मूका** इव दूरे **तिष्ठति** समयं गमयति। **( घ )** अयं **ब्राह्मण:** अस्ति।

**( ङ )** अस्य गृहे नित्यं **द्यूतं** भवति।

**3. हिन्दी अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **अनुवाद**—यह क्षत्रिय मदिरा (शराब) पीते हुए अपशब्द (गाली) बोलता है। वह गरीबों का धन छीनता है फिर भी वह उच्च जाति का है। यह ब्राह्मण है। इसके घर में रोज जुआ खेला जाता है। यहीं पर वह बनिया है, जो काम करके पैसा नहीं देता है। फिर भी ये सब उच्च जाति के हैं। हम गरीब हैं। हम धर्म का आचरण करते हैं, अधर्म से डरते हैं फिर भी हम अछूत हैं शूद्र हैं। उसी क्षण दो स्त्रियाँ जल लेने के लिए आईं।

**4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** अस्मिन् जले दुर्गन्ध: वर्तते। **( ख )** पिपासया अहं व्याकुल: अस्मि।

**( ग )** पार्श्वे एव क्षत्रियस्य कूप: अस्ति। **( घ )** सर्वे जना: जलं नयन्ति।

**( ङ )** त्वं दासी असि।

**5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

**उत्तर–** **( क )** प्रत्यागच्छति — सा निराश्य गृहं **प्रत्यागच्छति**।

**( ख )** चिन्तय — त्वं विश्रामं कुरु, एतावद् मा **चिन्तय**।

**( ग )** आनय — सत्वरं गच्छ तस्मात् कूपात् जलम् **आनय**।

**( घ )** धारयितुम् — अहं तानि वस्त्राणि **धारयितुम्** इच्छामि।

**( ङ )** अवतोलयति — सा स्त्री कूपे **घटमवतोलयति।**

**( च )** शमयन्ती — ध्वनिं **शमयन्ती** सा वेगेन घटम् आकर्षति।

**6. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कूपमारोहति | = | **कूपम्** | + | **आरोहति** | प्रत्यागच्छति | = | **प्रति** | + | **आगच्छति** |
| इदानीमेव | = | **इदानीम्** | + | **एव** | शूद्रास्मि | = | **शूद्रः** | + | **अस्मि** |
| जीवितमपि | = | **जीवितम्** | + | **अपि** | निर्गच्छति | = | **निः** | + | **गच्छति** |

चतुर्विंशतिः पाठः

**24**

# प्रार्थना-पत्रम्
## (Application)

**हिन्दी अनुवाद**

**'अवकाश प्रार्थना-पत्र'**

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय
लखनऊ पब्लिक कालेज,
लखनऊ।
विषय : अवकाश प्रार्थना-पत्र

मान्यवर,

सम्मानपूर्वक नम्र निवेदन है कि घर में एक आवश्यक कार्य हो गया है। इस कारण आज आपकी कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकता हूँ।

इसलिए प्रार्थना है कि एक दिन का अवकाश स्वीकार करके आप मुझे अनुग्रहीत करेंगे।

दिनांक .....

**आपका शिष्य**
**वेणु गोपाल**
**कक्षा—षष्टम् वर्ग—बी**

**'परीक्षा में सफलता के लिए मित्र को पत्र'**

नन्दलाल प्रसाद
बी—1, 267 भवन नांक,
तिलक मार्ग : लखनऊ नगर
दिनांक .....

प्रिय मित्र अमित,

सप्रेम अभिवादन!

आप ही मैंने तुम्हारा पत्र प्राप्त किया। तुम्हारा नाम योग्यता सूची में देखकर मैं बहुत ही प्रसन्न हुआ। तुम्हार घोर परिश्रम सार्थक हो गया। तुम इस सफलता के पात्र थे। तुमने केवल विद्यालय का ही नहीं अपितु अपने पिता का भी नाम उज्ज्वल किया। इस सफलता पर मैं तुम्हें हार्दिक शुभकामना देता हूँ। अब तुम्हारी क्या योजना है? क्या तुम आगामी चिकित्सक की परीक्षा दोगे?

माता-पिता के चरणों में प्रणाम। बहन को प्यार!

तुम्हारा अभिन्न मित्र
नन्दलाल

पञ्चविंशतिः पाठः

# 25

## व्याकरणम्
## (Grammar)

### अभ्यासकण्ठी

**1. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए-**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुभागमनम् | **शुभ** | + | **आगमनम्** | शशांकः | **शश** | + | **अंकः** |
| विद्याभ्यासः | **विद्या** | + | **अभ्यासः** | क्षितीशः | **क्षिति** | + | **ईशः** |
| महात्मा | **महा** | + | **आत्मा** | रवीन्द्रः | **रवि** | + | **इन्द्रः** |
| कपीशः | **कपि** | + | **ईशः** | महीन्द्रः | **मही** | + | **इन्द्रः** |
| सुरालयः | **सुर** | + | **आलयः** | पितृणम् | **पितृ** | + | **ऋणम्** |

**2. निम्नलिखित में सन्धि कीजिए-**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुख | + | अर्थी | = | **सुखार्थी** | पञ्च | + | आननम् | = | **पञ्चाननम्** |
| सिद्ध | + | अर्थः | = | **सिद्धार्थः** | साधु | + | उपदेशः | = | **साधूपदेशः** |
| राम | + | आश्रमः | = | **रामाश्रमः** | देव | + | अर्चनम् | = | **देवार्चनम्** |
| हिम | + | अद्रिः | = | **हिमाद्रिः** | | | | | |

षट्विंशतिःपाठः

# 26

## शब्दरूपाणि
## (Declensions)

**नोट**—(छात्र स्वयं करें।)

सप्तविंशतिः पाठः

# 27

## धातुरूपाणि
## (Verb Forms)

**नोट**—(छात्र स्वयं करें।)